मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 8 अंक 239
मंगलवार, 17 मार्च 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

वीवर्क इंडिया आईपीओ को सुप्रीम कोर्ट से मिली क्लीन चिट, याचिकाकताओं को लगा बड़ा झटका

नई दिल्ली, 16 मार्च। सुप्रीम कोर्ट ने वीवर्क इंडिया के प्रारंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव (आईपीओ) को चुनौती देने वाली विशेष अनुमति याचिका को प्रवेश चरण में ही खारिज कर दिया। न्यायमूर्ति पी.एस. नरसिम्हा और न्यायमूर्ति आलोक आराधे की पीठ ने बॉम्बे उच्च न्यायालय के 1 दिसंबर, 2025 के फैसले में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया, जिसमें पहले हेमंत कुलश्रेष्ठ और विनय बंसल द्वारा सार्वजनिक प्रस्ताव को चुनौती देने वाली अलग-अलग रिट याचिकाओं को खारिज कर दिया गया था। सर्वोच्च न्यायालय में अपील हेमंत कुलश्रेष्ठ ने दायर की थी। सुनवाई के दौरान, याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने तर्क दिया कि कंपनी ने कथित तौर पर अपने प्रमोटरों से संबंधित कुछ आपराधिक कार्यवाही को प्रस्ताव दस्तावेजों में उजागर नहीं किया था।

याचिका का विरोध करते हुए, वीवर्क इंडिया की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता डेरियस खंबाटा ने कहा कि भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (एसईबीआई), वैधानिक नियामक के रूप में, विशेषज्ञ नियामक प्राधिकरण के रूप में अपनी क्षमता के अनुसार प्रस्ताव दस्तावेजों की जांच और अनुमोदन कर चुका है। दलीलें सुनने के बाद, न्यायालय ने अपील खारिज कर दी। 1 दिसंबर, 2025 को अपने पूर्व फैसले में, बॉम्बे उच्च न्यायालय ने आईपीओ प्रक्रिया को चुनौती देने वाली रिट याचिकाओं को खारिज कर दिया था। उच्च न्यायालय ने याचिकाकताओं में से एक, विनय

बंसल पर 1 लाख रुपये का जुमार्ना भी लगाया था और यह दर्ज किया था कि कुछ महत्वपूर्ण तथ्य न्यायालय के समक्ष प्रकट नहीं किए गए थे, जिनमें कंपनी द्वारा उन शिकायतों के जवाब भी शामिल थे जो चुनौती का आधार थीं। न्यायालय ने यह भी टिप्पणी की थी कि याचिकाकताओं के आचरण से उनकी सत्यनिष्ठा पर संदेह पैदा होता है। न्यायालय के रिकॉर्ड से पता चलता है कि उच्च न्यायालय में याचिकाएं 30 सितंबर, 2025 को आईपीओ खुलने से कुछ समय पहले दायर की गई थीं, हालांकि मसौदा प्रॉस्पेक्टस कई महीनों से सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध था। दोनों में से कोई भी याचिकाकर्ता सार्वजनिक पेशकश में निवेशक नहीं था। आईपीओ बंद होने के बाद ऋषभ अग्रवाल द्वारा दायर की गई एक अलग याचिका को बाद में बॉम्बे उच्च न्यायालय में बिना शर्त वापस ले लिया गया और उन्हें नई याचिका दायर करने की अनुमति नहीं दी गई। यह याचिका स्टर्लिंग एंड विल्सन रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड द्वारा दायर शिकायतों पर आधारित थी, जो एम्बेसी ग्रुप की एक अन्य कंपनी के साथ अलग वाणिज्यिक मुकदमे में शामिल है।

सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के बाद, वीवर्क इंडिया के एक प्रवक्ता ने कहा कि न्यायालय ने पहली सुनवाई में अपील खारिज कर दी और कंपनी की ओर से प्रस्तुत इस बात को स्वीकार कर लिया कि एसईबीआई ने विशेषज्ञ नियामक प्राधिकरण के रूप में अपनी क्षमता के अनुसार प्रस्ताव दस्तावेजों की जांच और अनुमोदन किया था।

निष्पक्ष चुनाव की तैयारी, असम में 5 नए एसएसपी तैनात, रिटायर्ड आईएएस को मिली विशेष पर्यवेक्षक की कमान

नई दिल्ली, 16 मार्च। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने सोमवार को असम में 9 अप्रैल को एक ही चरण में होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारियों के मद्देनजर पांच वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों (एसएसपी) की विभिन्न राज्यों में तैनाती की घोषणा की। आयोग ने निर्देश दिया कि ये नियुक्तियां तत्काल लागू की जाएं और अधिकारियों के कार्यभार ग्रहण करने संबंधी अनुपालन रिपोर्ट 17 मार्च को प्रस्तुत की जाए। चुनाव आयोग ने असम के मुख्य सचिव को पत्र लिखकर निर्देश दिया कि सोमलिन शुभदर्शनी (आईपीएस) को माजुली में एसएसपी, आर शीतल कुमार (आईपीएस) को दक्षिण सालमारा में एसएसपी, आंचाल चौहान (आईपीएस) को सादिया में एसएसपी, सुधाकर सिंह (आईपीएस) को चिरांग में एसएसपी और मोहन लाल मीना

(आईपीएस-2016) को धेमाजी में एसएसपी के पद पर तैनात किया जाए।

पत्र में आगे कहा गया है कि स्थानांतरित किए गए अधिकारियों को चुनाव संपन्न होने तक किसी भी चुनाव संबंधी पद पर तैनात नहीं किया जाएगा। इसके अलावा, एक अलग अधिसूचना में, चुनाव आयोग ने (सेवानिवृत्त) आईएएस अधिकारी मनजीत सिंह को असम चुनावों के लिए अपना विशेष पर्यवेक्षक नियुक्त किया। पत्र में लिखा था कि आपको असम विधानसभा चुनावों, 2026 की तैयारियों और संचालन का निरीक्षण करने के लिए समय-समय पर असम का दौरा करना होगा और आयोग को आवश्यक कार्रवाई के लिए अपने सुझाव देने होंगे।

मनजीत सिंह के कर्तव्यों का निर्वहन असम के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के समन्वय से किया जाएगा, जो सभी आवश्यक सामग्री, सुविधाएँ और प्रोटोकॉल सहायता प्रदान करेंगे। पत्र के अनुसार, चुनाव कार्यक्रम और विधानसभा क्षेत्रों की सूची संदर्भ के लिए संलग्न की गई थी। इस बीच, सर्वोच्च चुनाव आयोग ने छह राज्यों में आम चुनावों और उपचुनावों के लिए आदर्श आचार संहिता के कड़ाई से पालन के निर्देश जारी किए।

ममता बनर्जी ने कोलकाता में एलपीजी की कमी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया

कोलकता, 16 मार्च। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को कोलकाता में एलपीजी की कथित कमी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया और केंद्र सरकार पर पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने में विफल रहने का आरोप लगाया। रैली का नेतृत्व करने के लिए बनर्जी कॉलेज स्क्वायर पहुंचीं और यह रैली डोरिना क्रॉसिंग की ओर बढ़ी। एलपीजी की कमी के खिलाफ प्रदर्शन के रूप में आयोजित इस मार्च को बंगाल के लोगों के अधिकारों और गरिमा के लिए एक एकजुट आंदोलन के रूप में प्रस्तुत किया गया। तृणमूल कांग्रेस ने लोगों से मार्च में शामिल होने का आह्वान करते हुए समर्थकों से ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली रैली में भाग लेने और न्याय के लिए सामूहिक आवाज का हिस्सा बनने का आग्रह किया।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) की बढ़ती कमी के लिए नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार को जिम्मेदार ठहराया है। उनका आरोप है कि पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण ऊर्जा आपूर्ति में आई बाधाओं के बीच प्रतिबंध लगाने से पहले सरकार खाना पकाने की गैस और पेट्रोलियम उत्पादों का पर्याप्त भंडार बनाने में विफल रही। 11 मार्च को एक बंगाली समाचार चैनल से बात करते हुए बनर्जी ने कहा कि अगर केंद्र सरकार ने वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखलाओं में संभावित बाधाओं के लिए पहले से योजना बनाई होती तो इस स्थिति से बचा जा सकता था। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को पहले एलपीजी, तेल और गैस का पर्याप्त भंडार सुनिश्चित करना चाहिए था। इसके बिना, संकट से निपटने के लिए उचित योजना के बिना प्रतिबंध लगा दिए गए हैं।

पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनावों के कारण एलपीजी की कमी हो रही है, जिससे वैश्विक ईंधन शिपमेंट और आपूर्ति मार्गों पर असर पड़ना शुरू हो गया है। भारत अपनी एलपीजी की मांग को पूरा करने के लिए आयात पर बहुत अधिक निर्भर है, जिसका एक बड़ा हिस्सा खाड़ी देशों से आता है।

पेट्रोलियम पर निर्भरता कम करने की पहल : ढाबों, रेस्टोरेंट और लघु उद्योगों को मिलेगा विकल्प

- ईरान-इजरायल युद्ध के साए के बीच वैकल्पिक ईंधन की तैयारी, मंडल के डिपो में 1407 घनमीटर जलौनी लकड़ी
- वन विभाग की बैठक : आमजन और छोटे उद्योगों को विभागीय दर पर मिलेगी जलौनी लकड़ी

सुरेश गांधी

वाराणसी। मध्य-पूर्व के खाड़ी देशों में बढ़ते तनाव और संभावित युद्ध की स्थिति को देखते हुए पेट्रोलियम उत्पादों के संयमित उपयोग तथा वैकल्पिक ऊर्जा संसाधनों को बढ़ावा देने की दिशा में वन एवं वन्यजीव विभाग ने तैयारी शुरू कर दी है। इसी क्रम में सोमवार को वृत्त कार्यालय वाराणसी में वन संरक्षक डॉ. रवि कुमार सिंह की

अध्यक्षता में मंडलीय बैठक हाइब्रिड मोड में आयोजित की गई, जिसमें वन निगम और वन विभाग के अधिकारियों ने भाग लिया।

बैठक में उत्तर प्रदेश वन निगम के प्रभागीय विक्रय प्रबंधक तौफीक अहमद ने जानकारी दी कि वाराणसी जोन के सात प्रमुख प्रकाष्ठ डिपो में वर्तमान समय में कुल 1407.2391 घनमीटर जलौनी लकड़ी उपलब्ध है। यह लकड़ी प्रयागराज, कौशाम्बी, प्रतापगढ़, वाराणसी, जौनपुर और गाजीपुर जिलों के डिपो में रखी गई है, जिसे आमजन तथा लघु उद्योग नीलामी प्रक्रिया के माध्यम से खरीद सकते हैं। अधिकारियों के अनुसार प्रयागराज के मेजा और मऊआइमा डिपो में सबसे अधिक 487.90 घनमीटर लकड़ी उपलब्ध है। इसके अलावा जौनपुर डिपो में 352.04 घनमीटर, प्रतापगढ़ के तवंकलपुर डिपो में 208.79 घनमीटर, वाराणसी के रतनबाग डिपो में 159.50 घनमीटर, कौशाम्बी के फतेहपुर डिपो में 171 घनमीटर तथा गाजीपुर के नंदगंज डिपो में 28 घनमीटर जलौनी लकड़ी उपलब्ध है।

वन निगम अधिकारियों ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए जलौनी लकड़ी का आधार मूल्य 405 रुपये प्रति घनमीटर निर्धारित किया गया है, जबकि सामान्य नीलामी के माध्यम से आमजन इसे 866 रुपये प्रति घनमीटर की दर से खरीद सकते हैं। डिपो में उपलब्ध लकड़ी में बबूल, सागौन, जामुन और शीशम जैसी उच्च कैलोरी मान वाली प्रजातियां भी पर्याप्त मात्रा में हैं, जो लघु उद्योगों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के लिए उपयोगी हैं।

बैठक में वन संरक्षक डॉ. रवि कुमार सिंह ने वन निगम के अधिकारियों को निर्देश दिया कि आमजन को राहत देने के लिए नीलामी प्रक्रिया में छूट प्रदान करते हुए आधार मूल्य पर विभागीय दर से जलौनी लकड़ी उपलब्ध कराने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि जरूरत पड़ने पर वैकल्पिक ईंधन की उपलब्धता बनी रहे। इसके अलावा प्रभागीय वनाधिकारी वाराणसी, सामाजिक वानिकी वन प्रभाग गाजीपुर और जौनपुर के प्रभागीय निदेशकों तथा काशी वन्यजीव प्रभाग रामनगर (चंदौली) के अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि लाइसेंसी आरा मशीनों के माध्यम से लकड़ी की चिरान कराकर आमजन को विभागीय दरों पर जलौनी लकड़ी उपलब्ध कराई जाए।

वन विभाग का मानना है कि वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों को देखते हुए ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों को बढ़ावा देना आवश्यक है। विभाग की इस पहल से जहां छोटे उद्योगों, ढाबों और रेस्टोरेंट संचालकों को ईंधन के रूप में एक सुलभ विकल्प मिलेगा, वहीं आम नागरिकों को भी किफायती दरों पर जलौनी लकड़ी उपलब्ध हो सकेगी।

'युवा योग को जीवन का हिस्सा बनाएं' : पुष्कर सिंह धामी

उत्तराखंड, 16 मार्च। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने योग को केवल व्यायाम नहीं बल्कि समग्र जीवन पद्धति बताते हुए सोमवार को युवओं से इसेजीवन का हिस्सा बनाने की अपील की। यहां मुनि की रेती में गंगा रिजॉर्ट में सात दिवसीय अंतरराष्ट्रीय योग महोत्सव-2026 का उद्घाटन करने के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि योग केवल व्यायाम नहीं बल्कि समग्र जीवन पद्धति है जो आत्मा को परमात्मा से जोड़ने का काम करता है। उन्होंने देश के युवाओं से योग को जीवन का हिस्सा बनाने की अपील करते हुए कहा कि वर्तमान में विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत युवा आमतौर पर थकावट महसूस करते हैं और इसे दूर करने में योग उनका सबसे अच्छा सहयोगी बन सकता है।

धामी ने योग को भारत की प्राचीन और महान आध्यात्मिक परंपरा की अमूल्य धरोहर बताया और कहा कि हजारों वर्ष पूर्व हमारे ऋषि-मुनियों ने योग के माध्यम से तन, मन और आत्मा के संतुलन का जो मार्ग दिखाया था, आज वह पूरी दुनिया के लिए स्वस्थ जीवन, मानसिक शांति और आध्यात्मिक उन्नति का सशक्त आधार बन चुका है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर 21 जून अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाया जा रहा है और आज दुनिया के 180 से अधिक देशों में करोड़ों लोग योग का अभ्यास कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड केवल देवभूमि ही नहीं, बल्कि योगभूमि भी है और हमारे लिए यह अत्यंत गर्व की बात है कि आज पूरी दुनिया में ऋषिकेश को ह्विश्व की योग राजधानीह्व के रूप में पहचान मिल रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने योग नीति- 2025 बनायी है जिसके तहत प्रदेश में आयुष आधारित 300 से अधिक आयुष्मान आरोग्य केंद्र संचालित किए जा रहे हैं जबकि हर जिले में 50 और 10 बिस्तर वाले आयुष चिकित्सालय की स्थापना की जा रही है।

बीजेपी की सहूलियत के हिसाब से तय होती हैं चुनाव की तारीखें : प्रियंका गांधी

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने चार राज्यों और एक केंद्रशासित प्रदेश में विधानसभा चुनावों के कार्यक्रम की घोषणा के बाद सोमवार को दावा किया कि भाजपा की सहूलियत के हिसाब से चुनाव की तारीखें और चरण तय किए जाते हैं। उन्होंने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा, "जिस तरह से चुनावों की तारीखों की घोषणा होती है और चरणों को निर्धारित किया जाता है, उससे मुझे लगता है कि ये सब भाजपा की सुविधानुसार तय होता है। निर्वाचन आयोग ने रविवार को पश्चिम बंगाल, केरल, असम, तमिलनाडु और पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा कर दी।

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37

* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकिस्ता उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकिस्ता सुविधा उपलब्ध

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg.
Near Diamond Talkies,
L. T. Road, Borivali (West)
Mumbai - 400 092
Maharashtra

ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW

(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
- Std. XI & XII (Sci.)
- MHT-CET
- NEET
- Polytechnic & Engg
- JEE (Main & Advance)
- Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)

M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

राजनीतिक जंग के आगाज में लोकतांत्रिक मूल्य फिर दांव पर

-ललित गर्ग

भारत जैसे विशाल लोकतांत्रिक देश में चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन की प्रक्रिया नहीं होते, बल्कि वे लोकतंत्र की परिपक्वता, जनविश्वास और राजनीतिक संस्कृति की परीक्षा भी होते हैं। जब किसी राज्य या क्षेत्र में चुनाव की घोषणा होती है तो स्वाभाविक रूप से राजनीतिक गतिविधियां तेज हो जाती हैं, आरोप-प्रत्यारोप का दौर चलता है और दल अपने-अपने एजेंडे को लेकर जनता के बीच पहुंचते हैं। किंतु इस पूरी प्रक्रिया के केंद्र में एक संस्था की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है-भारत का चुनाव आयोग। यही संस्था सुनिश्चित करती है कि चुनाव स्वतंत्र, निष्पक्ष और हिंसा-मुक्त वातावरण में संपन्न हों। इस बार असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल जैसे चार बड़े राज्यों तथा केंद्रशासित प्रदेश पुडुचेरी में विधानसभा चुनावों की घोषणा के साथ ही देश की राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। इन पांचों स्थानों की कुल 824 विधानसभा सीटों पर मतदान होना है और देश के 17.4 करोड़ मतदाताओं के मन एवं मानसिकता की जानकारी भी मिलेगी। पिछली बार की तुलना में इस बार मतदान कम चरणों में संपन्न कराया जा रहा है, जो प्रशासनिक दृष्टि से एक महत्वपूर्ण परिवर्तन माना जा सकता है। असम, केरल और पुडुचेरी में जहां 9 अप्रैल को एक चरण में मतदान प्रस्तावित है, वहीं तमिलनाडु की सभी 234 सीटों पर 23 अप्रैल को मतदान होना है। दूसरी ओर पश्चिम बंगाल में चुनाव दो चरणों में आयोजित किए जा रहे हैं-पहले चरण में 23 अप्रैल को 152 सीटों पर और दूसरे चरण में 29 अप्रैल को 142 सीटों पर मतदान होगा। इन चुनावों की ओर पूरे देश की निगाहें लगी हुई हैं, क्योंकि इनके परिणाम केवल इन राज्यों की राजनीति ही नहीं बल्कि राष्ट्रीय राजनीतिक परिदृश्य को भी प्रभावित कर सकते हैं।

इन चुनावों का महत्व केवल राजनीतिक सत्ता परिवर्तन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह देश के लोकतांत्रिक स्वास्थ्य की भी परीक्षा है। विशेष रूप से पश्चिम बंगाल में लंबे समय से राजनीतिक संघर्ष और टकराव की स्थिति देखने को मिलती रही है। वहां सत्तारूढ़ दल तृणमूल कांग्रेस और मुख्य विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी के बीच तीखी राजनीतिक प्रतिस्पर्धा है। इस प्रतिस्पर्धा के कारण कई बार चुनावी हिंसा और राजनीतिक तनाव की घटनाएं भी सामने आती रही हैं। इसलिए यह चुनाव केवल सत्ता की लड़ाई नहीं बल्कि यह भी एक कसौटी है कि क्या लोकतांत्रिक प्रक्रिया हिंसा और भय से मुक्त रहकर संपन्न हो सकती है। लोकतंत्र का मूल आधार यह है कि प्रत्येक मतदाता बिना किसी दबाव, भय या प्रलोभन के अपने मताधिकार का प्रयोग कर सके। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में इस आदर्श को बनाए रखना आसान नहीं है। चुनाव आयोग के सामने सबसे बड़ी चुनौती यही होती है कि चुनाव प्रक्रिया पूरी तरह निष्पक्ष और पारदर्शी बनी रहे। इसके लिए आयोग को सुरक्षा बलों की तैनाती, मतदान केंद्रों की व्यवस्था, इलेक्ट्रॉनिक मतदान मशीनों की सुरक्षा और मतदाता सूची की शुद्धता जैसे अनेक पहलुओं पर लगातार निगरानी रखनी पड़ती है। इसके अतिरिक्त राजनीतिक दलों और उनके कार्यकर्ताओं के आचरण पर भी नजर रखना जरूरी होता है ताकि चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन न हो। इन चुनावों के संदर्भ में पश्चिम बंगाल विशेष चर्चा का विषय बना हुआ है। लंबे समय से वहां राजनीतिक हिंसा और टकराव की घटनाएं सामने आती रही हैं। कई विश्लेषकों का मानना है कि इस बार वहां सत्ता परिवर्तन की संभावना के कारण राजनीतिक संघर्ष और तीखा हो सकता है। सत्तारूढ़ नेतृत्व का प्रतिनिधित्व करने वाली ममता बनर्जी की सरकार के सामने सत्ता बनाए रखने की चुनौती है, वहीं विपक्ष अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश कर रहा है। इस परिस्थिति में चुनाव आयोग की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है कि वह मतदान प्रक्रिया को निष्पक्ष और सुरक्षित बनाए रखे। दूसरी ओर केरल और तमिलनाडु की राजनीति भी अपने विशिष्ट स्वरूप के कारण चर्चा में रहती है। केरल में आमतौर पर सत्ता दो प्रमुख राजनीतिक मोर्चों के बीच बदलती रही है, जबकि तमिलनाडु की राजनीति क्षेत्रीय दलों के प्रभाव के लिए जानी जाती है। इन राज्यों में चुनावी प्रतिस्पर्धा तीव्र होती है, किंतु अपेक्षाकृत शांतिपूर्ण वातावरण में मतदान की परंपरा भी देखने को मिलती है। असम की स्थिति भी अलग है, जहां पूर्वोत्तर भारत की राजनीति के संदर्भ में चुनाव के परिणाम महत्वपूर्ण माने जाते हैं। यदि वहां सत्तारूढ़ दल फिर से सत्ता में लौटता है तो यह क्षेत्रीय राजनीति के लिए एक महत्वपूर्ण संकेत माना जाएगा।

हालांकि इन सभी चुनावों के संदर्भ में एक प्रश्न लगातार उठता है कि क्या राजनीतिक दल लोकतंत्र की मर्यादाओं का पालन करने के लिए पर्याप्त गंभीर हैं। चुनावी राजनीति में प्रतिस्पर्धा स्वाभाविक है, किंतु जब यह प्रतिस्पर्धा हिंसा, घृणा और असहिष्णुता में बदल जाती है तो लोकतंत्र की मूल भावना को चोट पहुंचती है। दुर्भाग्य से कई बार राजनीतिक दल चुनाव जीतने की होड़ में लोकतांत्रिक शालीनता को नजरअंदाज कर देते हैं। आरोप-प्रत्यारोप, व्यक्तिगत हमले और हिंसक घटनाएं इस प्रवृत्ति के उदाहरण हैं। इस स्थिति में यह केवल चुनाव आयोग की जिम्मेदारी नहीं रह जाती कि वह चुनाव को निष्पक्ष बनाए। राजनीतिक दलों और उनके नेताओं की भी उतनी ही जिम्मेदारी है कि वे लोकतंत्र की गरिमा को बनाए रखें। यदि दल स्वयं ही आचार संहिता का सम्मान करें और अपने कार्यकर्ताओं को संयमित आचरण के लिए प्रेरित करें तो चुनावी प्रक्रिया कहीं अधिक स्वस्थ और सकारात्मक बन सकती है। लोकतंत्र की सफलता केवल संस्थाओं पर निर्भर नहीं करती, बल्कि राजनीतिक संस्कृति और सामाजिक चेतना पर भी निर्भर करती है। इसके साथ ही मतदाताओं की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। लोकतंत्र में अंतिम निर्णय जनता के हाथ में होता है। यदि मतदाता जागरूक और सजग हों तो वे ऐसे नेताओं और दलों को प्रोत्साहित करेंगे जो लोकतांत्रिक मूल्यों का सम्मान करते हैं। मतदाताओं को यह समझना होगा कि उनका वोट केवल एक राजनीतिक विकल्प नहीं बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था की दिशा तय करने वाला निर्णय भी है। इन पांच क्षेत्रों में होने वाले चुनाव इसलिए भी महत्वपूर्ण हैं क्योंकि ये यह संदेश देंगे कि भारत का लोकतंत्र किस दिशा में आगे बढ़ रहा है। यदि ये चुनाव शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से संपन्न होते हैं तो यह न केवल देश के लिए बल्कि दुनिया के लिए भी एक सकारात्मक उदाहरण होगा। भारत को अक्सर दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में देखा जाता है, इसलिए यहां होने वाली चुनावी प्रक्रिया पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी नजर रहती है। निश्चित तौर पर यह कहा जा सकता है कि चुनाव केवल राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का मंच नहीं हैं, बल्कि वे लोकतंत्र के मूल्यों की परीक्षा भी हैं। असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी में होने वाले चुनाव इस दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। यदि इन चुनावों में राजनीतिक दल संयम और जिम्मेदारी का परिचय दें, चुनाव आयोग अपनी निष्पक्षता और दृढ़ता बनाए रखे तथा मतदाता जागरूकता के साथ मतदान करें, तो यह लोकतंत्र की शक्ति को और अधिक सुदृढ़ करेगा। प्रश्न यह है कि क्या हम इन चुनावों के माध्यम से एक ऐसा आदर्श प्रस्तुत कर पाएंगे, जिसमें लोकतंत्र केवल मतपेटियों तक सीमित न रहकर शालीनता, सहिष्णुता और जनविश्वास की भावना को भी मजबूत करे। यही वह कसौटी है जिस पर इन चुनावों की सफलता या असफलता का वास्तविक मूल्यांकन किया जाएगा।

ईद : चाँद की मुस्कान, दिलों का मिलन और इंसानियत का उत्सव

-सुरेश गांधी

रमजान की एक महीने की तपस्या के बाद जब आसमान में ईद का चाँद दिखाई देता है, तो केवल एक त्योहार नहीं आता, बल्कि समाज में भाईचारे, करुणा और साझी संस्कृति की नई रोशनी फैल जाती है। सेवइयों की मिठास, गले मिलने की परंपरा और जरूरतमंदों की मददकृईद इन्हीं मानवीय मूल्यों का उत्सव है। या यूं कहे जब रात के आसमान में महीन सा चाँद मुस्कुराता है, तो धरती पर खुशियों की एक नई सुबह उतर आती है। बच्चे उछलकर कहते हैं, चाँद दिख गया, कल ईद है। मस्जिदों में इबादत की रौनक बढ़ जाती है, बाजारों में खरीदारी की चहल-पहल दिखाई देने लगती है और घरों में सेवइयों की खुशबू फैल जाती है. रमजान की तपस्या के बाद आने वाला यह पर्व केवल मुसलमानों का त्योहार नहीं, बल्कि इंसानियत, करुणा और भाईचारे का उत्सव है। भारत जैसे विविधताओं से भरे देश में ईद सामाजिक सौहार्द और गंगा-जमुनी तहजीब की सबसे खूबसूरत मिसाल बन चुकी है

ईद का महत्व रमजान से जुड़ा हुआ है। इस्लामी कैलेंडर का नौवां महीना रमजान आध्यात्मिक अनुशासन और आत्मसंयम का समय माना जाता है। इस पूरे महीने मुसलमान सूर्योदय से सूर्यास्त तक रोजा रखते हैं। रोजे का उद्देश्य केवल भूखे-प्यासे रहना नहीं है, बल्कि यह आत्मसंयम का अभ्यास है। रोजा मनुष्य को यह सिखाता है कि जीवन में संयम और अनुशासन कितना आवश्यक है। यह हमें यह भी एहसास कराता है कि दुनिया में कितने लोग ऐसे हैं जिन्हें रोज भोजन नसीब नहीं होता। इस तरह रमजान केवल धार्मिक साधना नहीं बल्कि सामाजिक संवेदना को जागृत करने का भी माध्यम है। ईद की सुबह एक अलग ही उत्साह लेकर आती है । लोग सुबह जल्दी उठकर स्नान करते हैं और नए कपड़े पहनकर मस्जिद या ईदगाह की ओर जाते हैं। ईदगाह में हजारों लोग एक साथ नमाज अदा करते हैं। वहाँ किसी की सामाजिक स्थिति मायने नहीं रखती। सभी एक पंक्ति में खड़े होकर ईश्वर के सामने सिर झुकाते हैं। नमाज के बाद लोग एक-दूसरे से गले मिलते हैं और कहते हैं, ह्लईद मुबारक ह्व यह परंपरा दिलों के मिलन और भाईचारे का प्रतीक है।

जकात और फितरा : करुणा का संदेश

ईद का सबसे महत्वपूर्ण संदेश है, जरूरतमंदों की मदद। इस्लाम में यह व्यवस्था की गई है कि जो लोग सक्षम हैं, वे अपनी आय का एक हिस्सा गरीबों और जरूरतमंदों के लिए निकालें। इसे जकात कहा जाता है। इसके अलावा ईद से पहले फितरा दिया जाता है ताकि गरीब लोग भी ईद की खुशियों में शामिल हो सकें। यह परंपरा हमें यह सिखाती है कि सच्ची खुशी केवल अपने लिए नहीं, बल्कि दूसरों को खुश करने में भी होती है।

सेवइयों की मिठास और मेहमाननवाजी

ईद के दिन घरों में तरह-तरह के पकवान बनाए जाते हैं। लेकिन सबसे खास होती हैं सेवइयां। दूध, मेवा और घी से बनी सेवइयों की खुशबू पूरे घर को मिठास से भर देती है। ईद के दिन घर आने वाले हर मेहमान को सेवइयां खिलाना परंपरा है। यह केवल भोजन नहीं बल्कि स्नेह और सम्मान का प्रतीक है।

बच्चों की ईद : खुशियों का सबसे बड़ा दिन

ईद का सबसे अधिक इंतजार बच्चों को होता है। नए कपड़े, नए जूते और खिलौनों के साथ उन्हें मिलती है ईदी। जब बड़े लोग बच्चों को पैसे या उपहार देते हैं तो उनके चेहरे पर जो मुस्कान खिलती है, वही ईद की असली खुशी होती है। पूर्वांचल, खासकर वाराणसी में ईद का उत्सव बेहद खास होता है। रमजान के अंतिम दिनों में बाजारों में भारी रौनक दिखाई देती है। कपड़ों की दुकानों, इत्र की खुशबू और सेवइयों की खरीदारी से बाजार गुलजार हो उठते हैं। ईद की सुबह शहर की ईदगाहों और मस्जिदों में बड़ी संख्या में लोग नमाज अदा करते हैं। इसके बाद लोग एक-दूसरे से गले मिलकर बधाई देते हैं। काशी की गलियों में इस दिन भाईचारे की अनोखी झलक देखने को मिलती है।

गंगा-जमुनी तहजीब की मिसाल

भारत में ईद हमारी साझा संस्कृति का हिस्सा बन चुकी है। अक्सर देखा जाता है कि ईद के दिन अलग-अलग धर्मों के लोग एक-दूसरे के घर जाकर बधाई देते हैं। कहीं हिंदू मित्र अपने मुस्लिम मित्रों के घर सेवइयां खाने जाते हैं, तो कहीं मुस्लिम परिवार अपने पड़ोसियों को मिठाइयाँ भेजते हैं। यह परंपरा भारत की गंगा-जमुनी तहजीब की सबसे खूबसूरत पहचान है।

बदलते समय में ईद

आज के डिजिटल दौर में ईद की बधाइयाँ भी बदल गई हैं। पहले लोग चिट्ठियों के माध्यम से शुभकामनाएँ भेजते थे, अब मोबाइल और सोशल मीडिया के जरिए संदेश भेजे जाते हैं। लेकिन इन सब बदलावों के बावजूद ईद की मूल भावना आज भी वही है, प्रेम और भाईचारे का संदेश। मतलब साफ है ईद केवल एक त्योहार नहीं है, बल्कि यह इंसानियत की रोशनी का पर्व है। यह हमें यह सिखाती है कि जीवन की असली खुशियाँ केवल भौतिक वस्तुओं में नहीं, बल्कि रिश्तों की गर्माहट और दिलों की मिठास में छिपी होती हैं। जब हम जरूरतमंदों की मदद करते हैं, दूसरों के दुख-दर्द को समझते हैं और प्रेम से एक-दूसरे को गले लगाते हैं, तभी ईद का वास्तविक अर्थ साकार होता है। इसलिए ईद हमें हर साल यह याद दिलाने आती है कि दुनिया में सबसे बड़ा धर्म इंसानियत है और सबसे बड़ी इबादत है किसी के चेहरे पर मुस्कान लाना।

ईद क्यों मनाई जाती है

रमजान के पूरे महीने की तपस्या और रोजों के बाद आने वाला यह पर्व आत्मसंयम और ईश्वर के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक है।

ईदी की परंपरा

ईद के दिन बड़े लोग बच्चों को पैसे या उपहार देते हैं। इसे ईदी कहा जाता है।

सेवइयों का महत्व

ईद पर सेवइयां बनाना एक परंपरा है, जो मिठास और मेहमाननवाजी का प्रतीक मानी जाती है।

जकात और फितरा

समर्थ लोग गरीबों और जरूरतमंदों की मदद के लिए अपनी आय का एक हिस्सा दान करते हैं।

गले मिलने की परंपरा

ईद की नमाज के बाद लोग एक-दूसरे से गले मिलते हैं और ह्लईद मुबारकह्व कहते हैं।

समाज को जोड़ने वाला पर्व

आज जब दुनिया कई तरह के तनाव और विभाजन से गुजर रही है, तब ईद का संदेश और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। यह पर्व हमें यह याद दिलाता है कि धर्म का मूल उद्देश्य मनुष्यता को मजबूत करना है। जब हम एक-दूसरे के दुख-दर्द को समझते हैं और जरूरतमंदों की मदद करते हैं, तभी ईद का वास्तविक अर्थ पूरा होता है।

ईद का असली संदेश

ईद हमें यह सिखाती है कि जीवन की सबसे बड़ी खुशियाँ भौतिक चीजों में नहीं, बल्कि रिश्तों की गर्माहट और दिलों की मिठास में छिपी होती हैं। रमजान हमें संयम सिखाता है और ईद हमें उस संयम की खुशी मनाना सिखाती है। जब हम प्रेम से एक-दूसरे को गले लगाते हैं और समाज में सद्भाव का संदेश फैलाते हैं, तभी ईद का असली उद्देश्य पूरा होता है। ईद केवल एक त्योहार नहीं है, बल्कि यह इंसानियत की रोशनी का पर्व है। यह हमें यह सिखाती है कि समाज तभी सुंदर बन सकता है जब उसमें करुणा, सहानुभूति और भाईचारे की भावना हो। जब हम दूसरों की खुशियों में शामिल होते हैं और जरूरतमंदों की मदद करते हैं, तभी ईद का असली अर्थ साकार होता है। इसलिए ईद की मिठास केवल सेवइयों में नहीं, बल्कि दिलों की मिठास में होती है। और शायद इसी कारण ईद हर साल हमें यह याद दिलाने आती है कि दुनिया में सबसे बड़ा धर्म इंसानियत है और सबसे बड़ी इबादत है किसी के चेहरे पर मुस्कान लाना।

केरल में कांग्रेस के खिलाफ प्रचार करेंगे तेजस्वी!

अशोक भाटिया

बिहार में राज्यसभा चुनाव के बीच राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव ने एक ऐसा राजनीतिक बयान दिया है, जिससे विपक्षी राजनीति में नई हलचल पैदा हो गई है। पटना में मीडिया से बातचीत करते हुए तेजस्वी यादव ने घोषणा की कि उनकी पार्टी केरल में होने वाले विधानसभा चुनाव में वाम दलों के नेतृत्व वाले गठबंधन के साथ मिलकर चुनाव लड़ेगी। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय जनता दल केरल में वाम लोकतांत्रिक मोर्चा के साथ मिलकर तीन सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगी। तेजस्वी यादव के इस बयान को कांग्रेस के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है, क्योंकि केरल में कांग्रेस वाम दलों के खिलाफ मुख्य विपक्षी भूमिका में रहती है। ऐसे में राजद का वाम दलों के साथ चुनाव लड़ना कांग्रेस के साथ राजनीतिक दूरी का संकेत माना जा रहा है।

बताया जाता है कि बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री ने राजद के नेतृत्व वाले महागठबंधन के विधायकों के साथ बैठक के बाद यह घोषणा की है . गौरतलब है कि सोमवार (16 मार्च) को बिहार में राज्यसभा की पांच सीटों के लिए मतदान होना है. ऐसे में राज्य की पांचवीं सीट को लेकर खींचतान देखी जा रही है. इस सीट पर असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम और बहुजन समाज पार्टी किंगमेकर की भूमिका में दिखाई दे रही है. दोनों ही दलों का समर्थन एनडीए या महागठबंधन को मिला तो उसी की जीत होगी. ऐसे में ओवैसी और बीएसपी के विधायकों पर सबकी नजर बनी हुई है.

तेजस्वी यादव ने यह भी कहा कि केरल में उनकी पार्टी का पहले से आधार रहा है और वहां पहले भी राजद के विधायक रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसी कारण पार्टी ने एक बार फिर वहां चुनाव लड़ने का निर्णय लिया है। उनका कहना था कि राजद केरल में वाम दलों के नेतृत्व वाले गठबंधन के साथ मिलकर चुनाव लड़ेगी और यह सुनिश्चित करने का प्रयास करेगी कि यह गठबंधन फिर से सत्ता में लौटे। तेजस्वी यादव ने कहा कि उनकी पार्टी केरल में सीमित सीटों पर चुनाव लड़ेगी, लेकिन गठबंधन के साथ मिलकर काम करेगी।

तेजस्वी यादव के इस फैसले का राजनीतिक महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि केरल में मुख्य मुकाबला वाम दलों के नेतृत्व वाले गठबंधन और कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा के बीच होता है। इस स्थिति में राजद का वाम दलों के साथ चुनाव लड़ना सीधे तौर पर कांग्रेस के खिलाफ खड़ा होने जैसा माना जा रहा है। बिहार में जहां राज्यसभा चुनाव के दौरान राजद को कांग्रेस के समर्थन की जरूरत है, वहीं दूसरी ओर केरल में कांग्रेस के खिलाफ चुनाव लड़ने का ऐलान राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

केरल की राजनीति लंबे समय से दो प्रमुख गठबंधनों के बीच घूमती रही है। एक ओर वाम दलों के नेतृत्व वाला वाम लोकतांत्रिक मोर्चा है, जबकि दूसरी ओर कांग्रेस के नेतृत्व वाला संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा है। इन दोनों गठबंधनों के बीच राज्य की सत्ता के लिए लगातार मुकाबला होता रहा है। केरल में लंबे समय तक यह परंपरा रही कि हर चुनाव में सत्ता परिवर्तन होता था और जनता एक बार वाम दलों को तो अगली बार कांग्रेस गठबंधन को सत्ता में लाती थी। इन सब के बीच सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि बिहार और केरल की राजनीति में गठबंधनों का समीकरण बहुत अलग है। बिहार में फ्खऊ की अगुवाई वाले महागठबंधन में कांग्रेस और वाम दल छोटे सहयोगी की भूमिका में हैं। वहीं केरल में कांग्रेस और उढक्(ट) के नेतृत्व वाले वाम दल एक-दूसरे के कट्टर राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी हैं।

यही कारण है कि जहां बिहार में कांग्रेस और वाम दल एक साथ चुनाव लड़ते हैं, वहीं केरल में दोनों अलग-अलग मोर्चों पर आमने-सामने खड़े होते हैं। ऐसे में फ्खऊ का छ्रुक्के साथ जाना राजनीतिक रूप से एक दिलचस्प समीकरण बना रहा है। दरअसल, पांच राज्यों की विधानसभा चुनाव तिथियों की घोषणा ने वामपंथी दलों के लिए राजनीतिक रणभूमि तैयार कर दी है। केरल में अपने एकमात्र मजबूत गढ़ को बचाए रखने और पश्चिम बंगाल में खोई राजनीतिक पकड़ को वापस हासिल करने की चुनौती उनके सामने है, जिससे ये चुनाव उनके लिए न केवल सत्ता की रक्षा बल्कि राजनीतिक पुनरुत्थान की कसौटी भी साबित होंगे। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के महासचिव एमए बेबी ने कहा कि वामपंथी दल संगठनात्मक और राजनीतिक रूप से चुनावों के लिए पूरी तरह तैयार हैं, खासकर केरल में जहां वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) लगातार तीसरी बार सत्ता में आने की तैयारी कर रहा है। केरल में 9 अप्रैल को विधानसभा चुनाव होने हैं और इस बार भी राजनीतिक मुकाबला तीन मुख्य मोर्चों के बीच रहने की संभावना है। सत्तारूढ़ लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट (एलडीएफ), जिसे सीपीआई (एम) नेतृत्व दे रही है, विपक्षी यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ), जिसका नेतृत्व कांग्रेस कर रही है, और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए), जिसकी अगुवाई भाजपा कर रही है। केरल में कुल 140 विधानसभा सीटें हैं। 2021 के चुनाव में एलडीएफ ने 99 सीटें जीतीं, कांग्रेस नेतृत्व वाले यूडीएफ को 41 सीटें मिलीं और भाजपा कोई सीट नहीं जीत पाई। 2016 में पार्टी ने पहली बार एक सीट जीती थी।

सत्तारूढ़ एलडीएफ की अगुवाई मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन कर रहे हैं। एलडीएफ के लिए यह चुनाव तीसरी लगातार बार सत्ता बनाए रखने की परीक्षा है, जो केरल के चुनावी इतिहास में पहले कभी नहीं हुआ। एलडीएफ ने 2021 में सत्ता में वापसी की थी और राज्य में लंबे समय से बदलती सरकार की परंपरा को तोड़ा था। यूडीएफ का नेतृत्व विपक्ष के नेता वीडी सतीशन कर रहे हैं। यूडीएफ, एलडीएफ सरकार के खिलाफ एंटी-इंकम्बेंसी का फायदा उठाने की उम्मीद कर रही है। कांग्रेस नेता मानते हैं कि राज्य का राजनीतिक चक्र और स्थानीय चुनावों में दिखा जनता का मूड सरकार बदलने के पक्ष में हो सकता है।

भाजपा नेतृत्व वाले एनडीए के लिए यह चुनाव राज्य में अपनी राजनीतिक पहचान बढ़ाने का मौका है, क्योंकि अब तक उन्होंने वोट शेयर को विधानसभा सीटों में बदलने में सफलता नहीं पाई है। गठबंधन इस बात की उम्मीद कर रहा है कि 2024 लोकसभा चुनाव में त्रिशूर में सुरेश गोपी की जीत से उनकी सक्रियता बढ़ी है और यह उन्हें त्रिकोणीय मुकाबले में मजबूत खिलाड़ी बना सकती है।

हालांकि वर्ष 2021 के विधानसभा चुनाव में यह परंपरा टूट गई थी। उस चुनाव में वाम लोकतांत्रिक मोर्चा ने लगातार दूसरी बार जीत हासिल कर सत्ता में वापसी की थी। मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के नेतृत्व में वाम दलों का गठबंधन एक बार फिर सत्ता में आया और इस तरह केरल की राजनीति में एक नया अध्याय जुड़ गया। यदि पिछले विधानसभा चुनाव के परिणामों की बात करें तो राज्य की 140 सीटों में से 97 सीटों पर वाम लोकतांत्रिक मोर्चा के उम्मीदवारों ने जीत हासिल की थी। वहीं कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा को 41 सीटों पर सफलता मिली थी। इसके अलावा अन्य दलों को दो सीटों पर जीत मिली थी। भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को उस चुनाव में एक भी सीट नहीं मिल सकी थी। आगामी विधानसभा चुनाव में वाम लोकतांत्रिक मोर्चा एक बार फिर सत्ता बरकरार रखने की कोशिश में जुटा हुआ है। मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के नेतृत्व में गठबंधन तीसरी बार सरकार बनाने का लक्ष्य लेकर चुनाव मैदान में उतरने की तैयारी कर रहा है। वहीं कांग्रेस के नेतृत्व वाला संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा भी इस बार सत्ता में वापसी के लिए पूरी ताकत लगा रहा है। केरल में भारतीय जनता पार्टी भी अपनी राजनीतिक स्थिति मजबूत करने का प्रयास कर रही है। पार्टी राज्य में पहली बार उल्लेखनीय सफलता हासिल करने की उम्मीद लगाए हुए है। हालांकि अभी तक पार्टी को केरल की विधानसभा में बड़ी सफलता नहीं मिली है, लेकिन पार्टी लगातार अपने संगठन को मजबूत करने की कोशिश कर रही है।

तेजस्वी यादव के इस ऐलान के बाद राजनीतिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि केरल में राजद का वाम दलों के साथ जाना राष्ट्रीय स्तर की विपक्षी राजनीति में नए सवाल खड़े कर सकता है। एक ओर जहां विपक्षी दल राष्ट्रीय स्तर पर एकजुट होने की कोशिश कर रहे हैं, वहीं राज्यों में अलग-अलग राजनीतिक समीकरण बनते दिखाई दे रहे हैं।

केरल में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर सभी दल अपनी-अपनी रणनीति बनाने में जुटे हुए हैं। आगामी चुनाव में यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या वाम लोकतांत्रिक मोर्चा अपनी सत्ता बरकरार रख पाता है या फिर राज्य में एक बार फिर सत्ता परिवर्तन की परंपरा लौट आती है। फिलहाल तेजस्वी यादव के इस बयान ने केरल चुनाव से पहले राजनीतिक माहौल को और गर्म कर दिया है। आने वाले समय में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि विभिन्न गठबंधन किस प्रकार चुनावी मैदान में उतरते हैं और मतदाताओं का समर्थन किसे मिलता है।

साझा चूल्हा: संकट से समाधान की राह

-प्रियंका सौरभ

रसोई गैस सिलेंडर की कीमतों को लेकर समय-समय पर देश में राजनीतिक बहस तेज हो जाती है। विपक्ष इसे आम आदमी पर बढ़ते आर्थिक बोझ के रूप में उठाता है, तो सत्ता पक्ष अंतरराष्ट्रीय बाजार और वैश्विक परिस्थितियों का हवाला देता है। यह बहस लोकतंत्र का स्वाभाविक हिस्सा है, क्योंकि महंगाई और जीवनयापन की लागत सीधे जनता के जीवन को प्रभावित करती है। लेकिन इस पूरे विमर्श में अक्सर एक महत्वपूर्ण पक्ष छूट जाता है—समाज की अपनी सामूहिक शक्ति और संकट के समय मिल-जुलकर समाधान खोजने की क्षमता। भारतीय समाज की मूल संरचना ही सामूहिकता पर आधारित रही है। यहाँ परिवार केवल पति-पत्नी और बच्चों तक सीमित नहीं होता, बल्कि विस्तृत रिश्तों और समुदाय के साथ जुड़ा रहता है। गांवों में तो यह भावना और भी गहरी दिखाई देती है, जहाँ कठिन परिस्थितियों में पूरा समाज एक-दूसरे के साथ खड़ा होता है। इसी सामाजिक संस्कृति का एक महत्वपूर्ण प्रतीक रहा है—ह्लसाझा चूल्हा। साझा चूल्हा केवल भोजन पकाने का साधन नहीं था, बल्कि वह सामूहिक जीवन की भावना का केंद्र था। सीमित संसाधनों के दौर में कई परिवार मिलकर एक ही चूल्हे पर भोजन बनाते थे। इससे ईंधन की बचत होती थी, श्रम का बंटवारा होता था और सबसे महत्वपूर्ण बात यह कि समाज के लोगों के बीच संवाद और अपनापन बना रहता था। भोजन केवल पेट भरने का माध्यम नहीं रहता था, बल्कि वह सामाजिक संबंधों को मजबूत करने का अवसर बन जाता था। समय के साथ जीवनशैली में बदलाव आया। तकनीकी विकास, शहरीकरण और आर्थिक प्रगति ने जीवन को सुविधाजनक तो बनाया, लेकिन सामूहिक परंपराओं को धीरे-धीरे कमजोर भी किया। आज लगभग हर घर में अलग रसोई और अलग चूल्हा है। यह व्यक्तिगत स्वतंत्रता और निजता का प्रतीक भी माना जाता है। लेकिन इसके साथ ही समाज में एक प्रकार की दूरी भी बढ़ी है। पड़ोस में रहने वाले लोग भी कई बार एक-दूसरे से अपरिचित रह जाते हैं। इसी संदर्भ में जब गैस सिलेंडर की बढ़ती कीमतों की चर्चा होती है, तो हमें केवल राजनीतिक बहस तक सीमित रहने के बजाय सामाजिक दृष्टि से भी सोचने की आवश्यकता है। क्या हम अपनी परंपराओं से कोई ऐसी सीख ले सकते हैं जो आज की परिस्थितियों में भी उपयोगी हो? साझा चूल्हा का विचार इसी दिशा में एक प्रेरक उदाहरण हो सकता है। हमारे समाज में भंडारे और लंगर की परंपरा सदियों से चली आ रही है। धार्मिक आयोजनों, मंदिरों, गुरुद्वारों और अन्य सामाजिक कार्यक्रमों में हजारों लोग एक ही रसोई से भोजन प्राप्त करते हैं। वहाँ न जाति का भेद होता है, न आर्थिक स्थिति का। सभी लोग एक साथ बैठकर भोजन करते हैं। यह परंपरा केवल सेवा भावना ही नहीं, बल्कि सामाजिक समानता और एकता का भी प्रतीक है। यदि समाज ऐसे बड़े आयोजनों में सामूहिक रसोई को सहजता से स्वीकार कर सकता है, तो फिर रोजमर्रा के जीवन में इस विचार को अपनाने में संकोच क्यों? यह आवश्यक नहीं कि हर जगह बड़े स्तर पर सामुदायिक रसोई स्थापित की जाए, लेकिन छोटे-छोटे स्तर पर भी सहयोग की भावना विकसित की जा सकती है। उदाहरण के लिए, किसी मोहल्ले या समुदाय के कुछ परिवार मिलकर सामूहिक रूप से भोजन बनाने की व्यवस्था कर सकते हैं, विशेषकर उन परिस्थितियों में जब संसाधन सीमित हों या खर्च अधिक हो रहा हो। यह विचार केवल आर्थिक बचत तक सीमित नहीं है। साझा चूल्हा समाज में सहयोग और संवाद की संस्कृति को भी मजबूत कर सकता है। जब लोग एक साथ बैठते हैं, काम करते हैं और भोजन साझा करते हैं, तो उनके बीच विश्वास और समझ बढ़ती है। सामाजिक तनाव कम होते हैं और समुदाय की एकजुटता मजबूत होती है। खेती-किसानी, पशुपालन या अन्य श्रमसाध्य कार्यों से जुड़े लोग इस भावना को अधिक अच्छी तरह समझते हैं। ग्रामीण जीवन में श्रम और संसाधनों का साझा उपयोग एक सामान्य बात है। खेतों में काम के दौरान कई परिवार मिलकर भोजन की व्यवस्था करते हैं। त्योहारों और सामाजिक अवसरों पर भी सामूहिक भोजन की परंपरा देखने को मिलती है। यह केवल परंपरा नहीं, बल्कि जीवन को सरल और संतुलित बनाने का एक व्यावहारिक तरीका भी है। इसके विपरीत, आधुनिक शहरी जीवन ने कई लोगों को सुविधाओं के बीच तो रखा है, लेकिन उन्हें सामाजिक ताने-बाने से कुछ हद तक दूर भी कर दिया है। व्यक्तिगत स्वतंत्रता और निजी जीवन की अवधारणा ने सामूहिकता की भावना को कमजोर किया है। लोग अपने घरों में सीमित हो गए हैं और पड़ोस या समुदाय के साथ उनका संपर्क कम होता जा रहा है। इसका परिणाम यह हुआ है कि समाज में एक प्रकार का अकेलापन और अलगाव भी बढ़ रहा है। ऐसे में साझा चूल्हा केवल आर्थिक या व्यावहारिक समाधान नहीं, बल्कि सामाजिक पुनर्संरचना का भी एक प्रतीक बन सकता है। यह हमें याद दिलाता है कि समाज की असली ताकत केवल सरकारी नीतियों में नहीं, बल्कि लोगों के आपसी सहयोग और एकता में भी होती है। जब समाज संगठित होता है, तो वह कई समस्याओं का समाधान स्वयं खोज लेता है। बेशक, आज की परिस्थितियाँ पहले जैसी नहीं हैं। शहरों की जीवनशैली, काम के अलग-अलग समय और व्यक्तिगत प्राथमिकताओं के कारण हर जगह साझा चूल्हा लागू करना संभव नहीं हो सकता। लेकिन इस विचार का मूल संदेश—सहयोग और साझेदारी—आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना पहले था। यदि समाज इस भावना को अपनाए, तो कई समस्याओं का प्रभाव स्वतः कम हो सकता है। दरअसल, संकट के समय समाज की असली परीक्षा होती है। इतिहास गवाह है कि जब भी कठिन परिस्थितियाँ आईं, भारतीय समाज ने सामूहिकता और सहयोग के बल पर उनका सामना किया है। प्राकृतिक आपदाओं से लेकर आर्थिक चुनौतियों तक, लोगों ने एक-दूसरे की मदद करके परिस्थितियों को संभाला है। यही हमारी सामाजिक संस्कृति की सबसे बड़ी ताकत है। आज जब वैश्विक स्तर पर आर्थिक और ऊर्जा संबंधी चुनौतियाँ सामने हैं, तब यह और भी आवश्यक हो जाता है कि हम केवल राजनीतिक विमर्श तक सीमित न रहें, बल्कि सामाजिक समाधान की दिशा में भी सोचें। साझा चूल्हा इसी सोच का एक प्रतीक हो सकता है—एक ऐसा प्रतीक जो हमें बताता है कि संकट केवल समस्या नहीं, बल्कि अवसर भी हो सकता है। यदि समाज में सहयोग और साझेदारी की भावना मजबूत हो, तो कई कठिनाइयाँ आसान हो जाती हैं। जब लोग मिलकर काम करते हैं, तो संसाधनों का बेहतर उपयोग होता है और समस्याओं का बोझ भी साझा हो जाता है। यही कारण है कि सामुदायिक जीवन की परंपराएँ सदियों तक हमारे समाज को स्थिर और मजबूत बनाए रखती रही हैं। अंततः यह समझना आवश्यक है कि साझा चूल्हा केवल अतीत की स्मृति नहीं, बल्कि भविष्य की एक संभावित दिशा भी हो सकता है। यह हमें याद दिलाता है कि आधुनिकता और परंपरा विरोधी नहीं हैं; बल्कि यदि दोनों के बीच संतुलन स्थापित किया जाए तो समाज और अधिक सशक्त बन सकता है।

इसलिए आवश्यकता इस बात की है कि हम अपनी परंपराओं से मिलने वाले संदेश को समझें और उसे आधुनिक संदर्भों में लागू करने का प्रयास करें। यदि समाज सहयोग और साझेदारी की भावना को फिर से जीवित कर सके, तो केवल गैस सिलेंडर ही नहीं, बल्कि जीवन की कई अन्य चुनौतियाँ भी सहज रूप से हल हो सकती हैं। साझा चूल्हा अंततः एक विचार है—एक ऐसा विचार जो बताता है कि जब समाज एक साथ खड़ा होता है, तो संकट भी अवसर बन सकता है और कठिन समय भी एक प्रकार के उत्सव में बदल सकता है। यही भारतीय सामाजिक संस्कृति की असली पहचान और ताकत है।

कुवैत युद्ध की सच्ची घटना पर आधारित इस्केप फ्राम कुवैत नामक पुस्तक का भव्य लोकार्पण समारोह संपन्न

ठाणे (उत्तरशक्ति)। ठाणे में आयोजित एक भावनात्मक और प्रेरणादायक कार्यक्रम के दौरान लेखिका विरजा मगंटी की अपने जीवन पर घटित सच्ची कहानी ₹इस्केप फ्राम कुवैत₹ नामक पुस्तक का भव्य लोकार्पण किया गया। बतादें कि यह पुस्तक कुवैत युद्ध के दौरान घटी एक सच्ची घटना पर आधारित है जिसमें एक बेटी और उसके पिता के साहस, संघर्ष और अटूट प्रेम की मार्मिक कहानी प्रस्तुत की गई है। बताया जाता है कि अगस्त 1990 में अपनी शादी से कुछ ही सप्ताह पहले विरजा मगंटी युद्धग्रस्त कुवैत में फँस गई थीं। उस भयावह और अनिश्चित समय में उनके साथ केवल उनके पिता श्रीनिवासन कदम्बी ही खड़े रहे। चारों ओर अफरा-तफरी और संकट के माहौल के बीच उन्होंने धैर्य, साहस और समझदारी से काम लेते हुए अपनी बेटी को सुरक्षित निकालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यही वजह है कि इस पुस्तक में श्रीनिवासन कदम्बी को ह्लहीरो ऑफ द बुकह्व के रूप में सम्मानित किया गया है। पुस्तक में कुवैत पर हुए हमले और उससे उत्पन्न परिस्थितियों के बीच पिता-पुत्री के संघर्षपूर्ण पलायन की सच्ची कहानी को विस्तार से प्रस्तुत किया गया है। यह संस्मरण इस बात को भी दशार्ता है कि एक पिता का निस्वार्थ प्रेम और मौन साहस किस प्रकार जीवन बचाने और मुश्किल परिस्थितियों को बदलने की ताकत रखता है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. संदीप केलकर उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन से हुई, जिसमें डॉ. संदीप केलकर, पद्मजा, विरजा मगंटी और श्रीनिवासन कडम्बी ने संयुक्त रूप से दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके बाद नीलम द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना ने पूरे माहौल को आध्यात्मिक बना दिया। कार्यक्रम का संचालन साक्षी मगंटी और प्रवित मगंटी ने कुशलता के साथ किया। उपस्थित अतिथियों और पाठकों ने पुस्तक की सराहना करते हुए इसे साहस, उम्मीद और पारिवारिक प्रेम की प्रेरणादायक कहानी बताया। लेखिका विरजा मागंटी पिछले एक दशक से इमोशनल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में कार्य कर रही हैं। एक पैरेंटिंग कोच के रूप में वह लोगों को भावनात्मक मजबूती और पारिवारिक संबंधों को बेहतर बनाने के लिए प्रेरित करती हैं। उनकी यह पहली पुस्तक उनके जीवन के वास्तविक अनुभवों, डर, साहस, उम्मीद और अपने पिता के प्रति गहरे सम्मान का सशक्त प्रतिबिंब है।

विशेश्वर महादेव मंदिर में 24 घंटे का सार्वजनिक अखण्ड अष्टयाम शुरू, श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिले के बोईसर शहर के तारापुर औद्योगिक क्षेत्र अंतर्गत सालवड ग्राम पंचायत के शिवाजी नगर नई बस्ती स्थित मुख्य सड़क के पास बने विशेश्वर महादेव मंदिर में सोमवार 16 मार्च 2026 को दोपहर 12 बजे से 24 घंटे का सार्वजनिक अखण्ड अष्टयाम पूजन विधिवत प्रारंभ हुआ। इस धार्मिक अनुष्ठान का शुभारंभ गुजरात राज्य के संजान आश्रम से पधारे श्री श्री 108 झारखंड ऋषि जी महाराज के मुखारविंद से आशीर्वचनों के साथ किया गया। यह आयोजन मंगलवार 17 मार्च 2026 को दोपहर 12 बजे तक निरंतर जारी रहेगा। बतादें कि अष्टयाम पूजा में भगवान शिव की 24 घंटे की अवधि के दौरान आठ प्रहरों में विशेष पूजा-अर्चना की जाती है। प्रत्येक प्रहर लगभग तीन घंटे का होता है, जिसमें मंगला, प्रातः, मध्याह्न, सायं व शयन आदि समयों पर भगवान शिव की विधिवत आरती, भोग, मंत्रोच्चार, कीर्तन और श्रृंगार किया जाता है।धार्मिक मान्यता के अनुसार अष्टयाम पूजा में भगवान शिव के आठ स्वरूप–शर्व, भव, रुद्र, उग्र, भीम, पशुपति, ईशान और महादेव–का स्मरण किया जाता है। ये स्वरूप सृष्टि के आठ तत्वों पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु, आकाश, सूर्य, चंद्रमा और जीवात्मा का प्रतीक माने जाते हैं। पूरे आयोजन के दौरान मंदिर परिसर में पूजा, हवन, अखंड भजन-कीर्तन व संकीर्तन के माध्यम से वातावरण शिवमय बना हुआ है। यह धार्मिक आयोजन मनदेव दुबे के नेतृत्व में आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम में क्षेत्र के बड़ी संख्या में श्रद्धालु, सामाजिक कार्यकर्ता और धर्मप्रेमी उपस्थित होकर भगवान शिव की पूजा-अर्चना कर पुण्य लाभ प्राप्त कर रहे हैं।

कामत्स लेगेसी में उगादी साध्या उत्सव का आयोजन

मुंबई। शुभ दक्षिण भारतीय नव वर्ष के अवसर पर, विक्रम कामत्स हॉस्पिटैलिटी लिमिटेड का प्रमुख ब्रांड–कामत्स लेगेसी–'उगादी साध्या' का आयोजन कर रहा है। यह भारत की जीवंत पाक परंपराओं का एक सप्ताह तक चलने वाला उत्सव है। 17 से 23 मार्च 2026 तक चलने वाला यह उत्सव, एक विशेष रूप से तैयार किए गए उत्सव भोज के अनुभव के माध्यम से उगादी की परंपराओं को जीवंत करता है। यह अनुभव परंपरा, स्वाद और एकजुटता का जश्न मनाता है। हर साल, कामत्स लेगेसी उगादी उत्सव को बड़े पैमाने पर मनाता है, और मेहमानों को एक ऐसा उत्सव अनुभव प्रदान करता है जो सांस्कृतिक प्रामाणिकता में गहराई से निहित है। पोंगल, विशु और ओणम को समर्पित पाक उत्सवों के माध्यम से मनाने वाला पहला और एकमात्र हॉस्पिटैलिटी ब्रांड होने की सफलता के आधार पर, कामत्स लेगेसी अपने अग्रणी दृष्टिकोण को जारी रखता है। इसके तहत, उसने सोच-समझकर 'उगादी साध्या' तैयार किया है, जो विरासत, पुरानी यादों और क्षेत्रीय प्रामाणिकता को जगाता है। 'उगादी उत्सवम' इस त्योहार की गहरी जड़ों वाली परंपराओं के प्रति कामत्स लेगेसी की एक श्रद्धांजलि है। यह त्योहार आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक और महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों में बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है। विशेष रूप से तैयार किया गया यह उत्सव मेनू क्षेत्रीय स्वादों और त्योहार के पसंदीदा व्यंजनों को उजागर करता है, जिसमें पुरानी पारंपरिक रेसिपी को प्रामाणिक दक्षिण भारतीय पाक परंपराओं के साथ मिलाया गया है। मेहमान केले के पत्ते पर परोसे जाने वाले पारंपरिक उत्सव भोज का आनंद ले सकते हैं। इसमें चावल, सांभर, कच्चे आम की करी, पारंपरिक साथ में परोसे जाने वाले व्यंजन और मीठे पोंगल जैसी पारंपरिक मिठाइयाँ शामिल हैं।

केसीएन क्लब महिला शाखा मीरा सृजन द्वारा आयोजित महिला खेल प्रतियोगिता व जनजागरूकता कार्यक्रम संपन्न

पालघर (उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। जिले के बोईसर शहर में राष्ट्रीय सेवाभावी संगठन केसीएन क्लब महाराष्ट्र महिला कमेटी की ओर से विश्व महिला दिवस के उपलक्ष्य में रविवार 15 मार्च 2026 को जयश्री अपार्टमेंट स्थित कॉमन हॉल में हेल्थ व वेल्थ - प्रशिक्षण एवं हल्दी कुमकुम के अलावा महिला खेल प्रतियोगिता सहित मेलमिलाप व महिला जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर व संचालक मनीषा विलास पिम्पले द्वारा सरस्वती गीत गाकर की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता बीएआरसी की रिटायर्ड अध्यापिका अश्विनी नरहरि जोशी ने की , वरिष्ठ चिकित्सक डॉक्टर लीना रत्नाकर माने बतौर प्रमुख अतिथि उपस्थित रही. कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथियों में पूर्व ग्राम पंचायत सदस्य व केसीएन क्लब की महिला शाखा मीरा सृजन की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नीता श्रीधर राऊत, ग्राम पंचायत सदस्या जुली संजय बारी, संगीता नरेश पाटील, बँक ऑफ महाराष्ट्र की वित्तीय साक्षरता अधिकारी, पालघर उज्ज्वला कोकणे, केसीएन क्लब की प्रदेश अध्यक्ष महिला वंदना अमरेंद्र शुक्ला , गोल्ड मेडलिस्ट एथलीट रिया कल्पेश पिम्पले आदि उपस्थित हुई। कार्यक्रम का संचालन टीवीएम स्कूल की रिटायर्ड प्रिंसिपल मनीषा विलास पिम्पले द्वारा बेहतरीन तरीके से किया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं में अश्विनी जोशी ने कहा कि जहाँ नारी की पूजा होती है वहां देवता निवास करते हैं साथ ही उन्होंने महिलाओं को आदर्श जीवन के गुर सिखाये। डॉ लीना माने द्वारा

महिलाओं को मानसिक व शारिरिक स्वास्थ्य पर व उचित खानपान पर मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम में बँक ऑफ महाराष्ट्र की वित्तीय साक्षरता अधिकारी, पालघर उज्ज्वला कोकणे ने आर्थिक साक्षरता का महत्व व डिजिटल पेमेंट में सावधानी, पर सभी का मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम में हल्दी कुमकुम के साथ महिला क्रीड़ा स्पर्धा में बच्चियों के सामुहिक नृत्य, सहित होली के फिल्मी गानों पर खूब नाचते गाते महिलाओं ने खूब आनन्द उठाया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथियों सहित वीरनारी माधुरी भालेराव,दीप्ति महाडिक, शिक्षिका रूही गणेश ठाकुर, समाजसेविका तुलसी राजेंद्र छीपा, शैलबाला सिंह, नूतन पाण्डेय, खुशबू पांडेय, सपना प्रभु, सुनीता सँकपाल, आँचल रविन्द्र मिश्र, पुष्पा मनोज मिश्र, सुमन दुबे, कविता मिश्र, विजया पिम्पले सहित चिकित्सा, समाजसेवा खेलकूद, योग, बैंकिंग, इंजीनियरिंग यातायात व्यवस्था सहित कामकाजी कुल 30 प्रतिष्ठित महिलाओं को सम्मानित किया गया। सम्पूर्ण कार्यक्रम का प्रबंधन महिला शाखा की सचिव दीपिका पांडेय ने किया। उन्होंने केसीएन क्लब का इतिहास उद्देश्य व योजनाओं के बारे में सबको अवगत कराया। कार्यक्रम में केसीएन क्लब संरक्षक एडवोकेट शोभनाथ त्रिपाठी, निर्झरिणी के राजस्थान अध्यक्ष कवि सम्पत उजाला आमेट, व पालघर अध्यक्ष नवरत्न मिश्र अर्पित,समाज सेवी हिंदुत्व फायर ब्रांड मनोज मिश्र, अमरावती पांडेय, प्रतिमा मिश्र, निवेदिता मिश्र, छाया देवेन्द्र मेश्राम, मनोज यादव, शैलेंद्र मिश्र, रोली मिश्र, डॉ ज्योति यतिन पिम्पले, अस्मिता मिश्र, रमिला देवासी, रुषिका दर्जी, भावना देवासी, ईशान पांडेय, धानवी पांडेय, अस्मित मिश्र, अरविंद दुबे, दार्शी पांडेय, बेबी तिवारी, निवेद मिश्र सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे। नृत्य, गायन व अल्पाहार के साथ महासचिव नन्दिनी मिश्र ने सभी अतिथियों व सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम समापन की घोषणा की।

ओजोन हॉस्पिटल में अत्याधुनिक कैथ लैब का सांसद हेमंत सवरा ने किया उद्घाटन

पालघर(उत्तरशक्ति)। पालघर शहर अंतर्गत पार्श्वनाथ-9, बिडको कॉर्नर, चिंतूपाड़ा रोड स्थित ओजोन हॉस्पिटल में अत्याधुनिक कैथ लैब का शुभारंभ सांसद हेमंत विष्णु सवरा के हाथों फीता काट कर किया गया। इस नई सुविधा के शुरू होने से अब पालघर व आसपास के क्षेत्र के हृदय रोगियों को आधुनिक, तेज एवं बेहतर उपचार स्थानीय स्तर पर ही उपलब्ध हो सकेगा। लैब के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पालघर जिले के सांसद हेमंत विष्णु सवरा उपस्थित रहे, जबकि प्रख्यात हृदय रोग विशेषज्ञ नवीन अग्रवाल विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शामिल हुए। दोनों अतिथियों ने ओजोन हॉस्पिटल की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस अत्याधुनिक कैथ लैब के माध्यम से हृदय संबंधी गंभीर बीमारियों के उपचार में क्षेत्र के मरीजों को बड़ी राहत मिलेगी। हॉस्पिटल प्रबंधन की ओर से बताया गया कि कैथ लैब की स्थापना से एंजियोग्राफी, एंजियोप्लास्टी समेत कई उन्नत हृदय जांच व उपचार सुविधाएँ अब स्थानीय स्तर पर उपलब्ध होंगी, जिससे मरीजों को बड़े शहरों की ओर नहीं जाना पड़ेगा। इस सराहनीय पहल के लिए अस्पताल के संचालक डॉ. अरुण, डॉ. अतुल परासकर, डॉ. गणेश शिरोडकर, डॉ. अमित यादव, डॉ. श्याम परासकर एवं डॉ. राज हमराडे को उपस्थित जनप्रतिनिधियों व लोगों ने बधाई देते हुए उनके प्रयासों की सराहना की। इस कार्यक्रम में कामगार अध्यक्ष अरुण माने, पालघर नगरसेवक एवं भाजपा गट नेता भावानंद संखे, भाजपा पालघर जिला उपाध्यक्ष कैलाश म्हात्रे, भाजपा जिला सचिव अशोक अंबुरे, नमो नमो मोर्चा भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष व भाजपा पालघर जिला सचिव सत्यप्रकाश सिंह, भाजपा पालघर जिला युवा अध्यक्ष नंदन वर्तक, सरावली ग्रामपंचायत के सरपंच आनंद धोडी, भाजपा प्रदेश सदस्या चंदा दुबे, पालघर मंडल अध्यक्ष भावीन कनसारा, जिला परिषद सदस्या पूर्णिमा धोढ़ी आदि।

मुलुंड में एलपीजी सिलेंडर भ्रष्टाचार के विरोध में कांग्रेस ने किया आंदोलन

मुंबई(उत्तरशक्ति)। मुलुंड पश्चिम रेलवे स्टेशन परिसर में घरेलू और व्यावसायिक एलपीजी सिलेंडर की बढ़ती कीमतों और सरकार की फेल विदेशी नीतियों के विरोध में कांग्रेस कार्यकताओं द्वारा धरना-प्रदर्शन किया गया। इस दौरान कांग्रेस प्रवक्ता राकेश शेट्टी सहित सब केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए गैस सिलेंडर की बढ़ी कीमतों को तुरंत वापस लेने की मांग की गई। धरने में वक्ताओं ने कहा कि एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में लगातार हो रही बढ़ोतरी से मध्यमवर्गीय और सामान्य परिवारों का घरेलू बजट पूरी तरह बिगड़ गया है। वहीं व्यावसायिक सिलेंडर महंगे होने से होटल, उपहारगृह और खाद्य पदार्थ विक्रेताओं पर आर्थिक बोझ बढ़ गया है, जिसका सीधा असर आम जनता पर पड़ रहा है। इस अवसर पर नगरसेविका आशा सुरेश कोपरकर, उत्तम गीते, राजेश इंगले सहित कई कांग्रेस कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। कांग्रेस नेता राकेश शंकर शेट्टी ने कहा, केंद्र सरकार द्वारा एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में की गई

भ्रष्टाचार और महंगाई को रोकने में सरकार विफल: राकेश शेट्टी

अन्यायपूर्ण बढ़ोतरी से आम जनता परेशान है। कांग्रेस पार्टी इस मुद्दे को लेकर लगातार आवाज उठाती रहेगी और जब तक कीमतें कम नहीं होतीं, तब तक हमारा आंदोलन जारी रहेगा। वहीं सुरेश कोपरकर ने कहा, महंगाई ने आम लोगों की कमर तोड़ दी है। सरकार को तुरंत गैस सिलेंडर की बढ़ी कीमतें वापस लेकर जनता को राहत देनी चाहिए, अन्यथा कांग्रेस सड़कों पर उतरकर आंदोलन को और तेज करेगी। धरना कार्यक्रम के अंत में सरकार से एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में जल्द राहत देने की मांग दोहराई गई।

केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी के खिलाफ उत्तर मध्य मुंबई यूथ कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष सांसद वर्षा गायकवाड़ तथा मुंबई यूथ कांग्रेस अध्यक्ष जीनत सबरीन के मार्गदर्शन तथा उत्तर मध्य मुंबई यूथ कांग्रेस के अध्यक्ष निखिल रूपारेल के नेतृत्व में हजारों कार्यकताओं ने पाठक कॉलेज, वाकोला, सांताक्रूज पूर्व में केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी के बाल यौन शोषण के शैतान एप्सटीन से करीबी संबंधों और एलपीजी गैस सिलेंडर की भारी किल्लत के विरोध में मोर्चा निकाला। इस विरोध मोर्चा में उत्तर मध्य मुंबई जिला अध्यक्ष अरशद आजमी तथा मुंबई महिला कांग्रेस की महासचिव प्रीति बी चोकसी विशेष रूप से शामिल रहे। यूथ कांग्रेस के कार्यकताओं ने केंद्र

सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और सरकार पर एप्सटीन फाइल जैसे गंभीर मामले को दबाने का आरोप लगाया। यूथ कांग्रेस ने इस मामले की पारदर्शी जांच कराने के साथ-साथ सरकार को इसकी जवाबदेही तय करने की मांग की। निखिल रूपारेल ने कहा कि केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी ने सार्वजनिक रूप से कबूल किया है कि वह एप्सटीन से कई बार मिल चुके हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर उनके और एप्सटीन के बीच किस बात की डील हुई और वह किसके प्रतिनिधि के रूप में उससे मिल रहे थे? उन्होंने कहा कि एलपीजी गैस की किल्लत के चलते लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, जिसके लिए केंद्र सरकार पूरी तरह से जिम्मेदार है। श्री रूपारेल ने कहा कि हरदीप पुरी को नैतिक आधार पर तत्काल अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए।

हर्षोल्लास व गीत संगीत के साथ संपन्न हुआ यदु यादव कोश सामाजिक पत्रिका का 21वां भव्य विमोचन व सम्मान समारोह

आचार्य सूरजपाल यादव

मुंबई (उत्तरशक्ति)। अंधेरी पश्चिम स्थित कंट्री क्लब में यदु यादव कोश पत्रिका का 21वां भव्य विमोचन एवं सम्मान समारोह बड़े ही धूमधाम और उत्साह के साथ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता जनआगाज फाउंडेशन के अध्यक्ष व शिवसेना (उबाठा) उत्तर पश्चिम जिला संगठक अजय यादव ने की। इस अवसर पर समाज के अनेक गणमान्य लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरूआत अतिथियों के स्वागत व सम्मान से हुई। इसके बाद सभी अतिथियों ने सामूहिक रूप से यदु यादव कोश पत्रिका का विमोचन किया। कार्यक्रम में पूर्व भाजपा नगरसेवक कमलेश यादव, शिवसेना नगरसेविका रेखा राम यादव, भाजपा नगरसेविका रेखा रामकृपाल यादव, आकाश डिग्री कॉलेज के चेयरमैन राजकुमार यादव, ट्रांसपोर्टर घरभरन यादव, पुणे के समाजसेवी यशवंत यादव, औरंगाबाद के भाजपा नेता नरेंद्र सिंह यादव, जलगांव के उद्योगपति व समाजसेवी लल्लन जी यादव, खुशी इंटरप्राइजेज के सीएमडी धर्मेंद्र यादव, नासिक के समाजसेवी राम भरत यादव, प्रसिद्ध डेंटल सर्जन डॉ. मोनिका यादव, उद्योगपति सुनील विक्रमजीत यादव सहित मुंबई, रायगढ़, ठाणे, पालघर और नासिक से बड़ी संख्या में यदुवंशी समाज के लोग शामिल हुए। पत्रिका के संपादक एस.एन. यादव ने अपने संबोधन में कहा कि यदु यादव कोश पत्रिका पिछले 21 वर्षों से लगातार समाज को जोड़ने का कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि इस पत्रिका के माध्यम से समाज के लोगों का आपसी परिचय बढ़ा है और हर वर्ष कई परिवारों में वैवाहिक संबंध भी

इसी पत्रिका के जरिए स्थापित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह पत्रिका केवल एक प्रकाशन नहीं बल्कि समाज को एकजुट रखने का सशक्त माध्यम बन चुकी है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे अजय यादव ने अपने संबोधन में कहा कि आज मुंबई में यदुवंशी समाज ने जो पहचान और सम्मान हासिल किया है, वह हमारे माता-पिता और पूर्वजों की मेहनत और संस्कारों की देन है। उन्होंने कहा कि समाज को आगे बढ़ाने के लिए नई पीढ़ी को सही दिशा देना जरूरी है।

उन्होंने भारतीय क्रिकेटर सूर्यकुमार यादव का उदाहरण देते हुए कहा कि बच्चों की जिस क्षेत्र में रुचि हो, उन्हें उसी क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना चाहिए। यदि उनके माता-पिता ने अपनी इच्छा थोप दी होती तो आज दुनिया सूर्यकुमार यादव को नहीं जानती। पूर्व भाजपा नगरसेवक कमलेश यादव ने यदु यादव कोश पत्रिका की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह की सामाजिक पत्रिकाएं समाज को जोड़ने और नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से परिचित कराने का महत्वपूर्ण कार्य करती हैं।

उन्होंने समाज के युवाओं से शिक्षा, एकता और सामाजिक सेवा के माध्यम से आगे बढ़ने का आह्वान किया। आकाश डिग्री कॉलेज के चेयरमैन राजकुमार यादव ने भी पत्रिका की प्रशंसा करते हुए कहा कि शिक्षा ही समाज की असली ताकत है। उन्होंने युवाओं को उच्च शिक्षा प्राप्त कर समाज और देश के विकास में योगदान देने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर वाराणसी से आए बिरहा गायक पप्पू यादव ने अपने गीतों से कार्यक्रम में समा बांध दिया और उपस्थित लोगों का भरपूर मनोरंजन किया। कार्यक्रम में ठाणे के अशोक यादव, सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता जयराम यादव, नील यादव, राजाराम विद्यार्थी, विजेश यादव, पत्रकार एस.आर. यादव, डॉ. रामनरेश यादव, अंजलि फाउंडेशन के संतोष यादव, डॉ. सुशांत यादव, पुरुषोत्तम यादव, लालचंद यादव, अर्जुन यादव, सुरेश यादव, बरखू यादव, मुन्ना यादव, पत्रकार आचार्य सूरजपाल यादव, गायिका प्रमिला यादव, कवि रवि यादव, जगदीश मास्टर, महाजन यादव, एम.पी. यादव, कांग्रेस नेता अम्बिका यादव, हीरालाल यादव, सुनील यादव, पत्रकार मनोज यादव, कन्हैयालाल यादव, महेश यादव, सर्वजीत चानिका यादव, ईश्वरदेव यादव, भरत यादव, भायंदर के आर.बी. यादव, उमेश यादव, इंदौर के रमेश यादव सहित अनेक समाजसेवियों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन एल.एस. यादव लल्लन ने किया। समारोह में समाज के लोगों की बड़ी उपस्थिति ने कार्यक्रम को यादगार बना दिया और यदुवंशी समाज की एकता और सामाजिक जागरूकता का मजबूत संदेश दिया।

श्री साईराज को-ऑप क्रेडिट सोसायटी लिमिटेड का होली स्नेह मिलन समारोह संपन्न

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिले के बोईसर शहर (प.) के सालवड ग्राम पंचायत अंतर्गत शिवाजी नगर में स्थित श्री साईराज को-ऑप क्रेडिट सोसायटी लिमिटेड के संचालक गिरजेश आर. सिंह द्वारा शुक्रवार 13 मार्च 2026 की शाम को होली के उपलक्ष्य में भव्य होली स्नेह मिलन समारोह का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं और गले मिलकर एक दूसरे का हालचाल जाना। इस दौरान पूरा वातावरण रंगों के साथ उत्साह से सराबोर नजर आया। इस अवसर पर सोसायटी के अध्यक्ष गिरिजेश आर सिंह ने अतिथियों का पुष्पगुच्छ से

स्वागत करते हुए कहा कि होली का पर्व आपसी प्रेम, भाईचारे व सामाजिक एकता का प्रतीक है। उन्होंने कार्यक्रम में पधारने हेतु सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया तथा अल्पाहार और शीतल पेय की व्यवस्था कर सभी का सत्कार किया। होली स्नेह मिलन समारोह में सोसायटी के खाताधारकों, कर्मचारियों, बोईसर व आसपास के क्षेत्र के प्रबुद्ध नागरिक, जनप्रतिनिधि, समाजसेवी, उद्योजक तथा मीडिया प्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी ने इस सामाजिक व सांस्कृतिक आयोजन की सराहना करते हुए इसे आपसी मेल-जोल और सौहार्द बढ़ाने वाला महत्वपूर्ण कार्यक्रम बताया।

विजय सेल्स ने गुड़ी पड़वा स्पेशल सेल की घोषणा की

मुंबई। गुड़ी पड़वा, जो महाराष्ट्र में पारंपरिक नववर्ष की शुरूआत का प्रतीक एक शुभ वसंत उत्सव है, नए आरंभ और उत्सव का समय होता है। इस पर्व को और भी खास बनाने के लिए भारत की अग्रणी इलेक्ट्रॉनिक्स रिटेल चेन Vijay Sales ने अपनी बहुप्रतीक्षित गुड़ी पड़वा स्पेशल सेल की घोषणा की है। इस सेल के तहत उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स और होम अप्लायंसेज की विस्तृत रेंज पर आकर्षक ऑफर और शानदार डील्स ऑफलाइन स्टोर्स के साथ-साथ कंपनी की ई-कॉमर्स वेबसाइट VijaySales.com पर भी उपलब्ध होंगी। गर्मी के मौसम और त्योहारों की खरीदारी को ध्यान में रखते हुए विजय सेल्स ग्राहकों को अपने घरों को अपग्रेड करने के लिए कूलिंग सॉल्यूशंस और होम अप्लायंसेज पर शानदार ऑफर दे रहा है। ग्राहक एयर कंडीशनर रुपये 24,299 से और एयर कूलर रुपये 4,990 से खरीद सकते हैं, जिससे बढ़ते तापमान के लिए तैयारी करना आसान हो जाएगा।

इसके अलावा रेफ्रिजरेटर रुपये 8,990 से और वॉशिंग मशीन रुपये 9,800 से शुरू होने वाली आकर्षक उत्सव कीमतों पर उपलब्ध हैं। यह सेल मनोरंजन और गैजेट प्रेमियों के लिए भी बेहतरीन अवसर लेकर आई है।

ग्राहक अब स्मार्ट टीवी रुपये 8,990 से शुरू होने वाली कीमत पर घर ला सकते हैं, जिन पर 65% तक की छूट उपलब्ध है। इसके साथ ही साउंड सिस्टम और बड़े ऑडियो डिवाइसेज पर भी 60% तक की छूट दी जा रही है। जो ग्राहक अपने मोबाइल डिवाइस अपग्रेड करना चाहते हैं, उनके लिए आईफोन रुपये 54,900 से और स्मार्टफोन रुपये 6,399 से शुरू होने वाली कीमत पर उपलब्ध हैं।

टेक्नोलॉजी के शौकीनों के लिए प्रीमियम डिवाइसेज भी आकर्षक कीमतों पर उपलब्ध हैं।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

रसोई गैस की किल्लत व मूल्य वृद्धि के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। रसोई गैस सिलेंडर की किल्लत और मूल्य वृद्धि के विरोध में सोमवार को कांग्रेस कार्यकताओं ने जिलाध्यक्ष डॉ. प्रमोद कुमार सिंह के नेतृत्व में कलेक्ट्रेट परिसर में जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान कार्यकताओं ने नारेबाजी करते हुए जिलाधिकारी को

जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन सौंपा। धरना-प्रदर्शन को संबोधित करते हुए कांग्रेस जिलाध्यक्ष डॉ. प्रमोद कुमार सिंह ने केंद्र सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि देश की जनता मोदी सरकार के झूठे वादों और नाकामियों की सजा भुगत रही है। उन्होंने कहा कि रसोई गैस के लिए गैस एजेंसियों पर लंबी कतारें लगी हुई हैं, जिससे सरकार के दावों की पोल खुल रही है। एक ओर सरकार दावा कर रही है कि सभी को

गैस सिलेंडर मिल रहा है, जबकि हकीकत यह है कि सिलेंडर न मिलने से एजेंसियों पर भारी भीड़ जुट रही है और कई घरों में चूल्हे तक नहीं जल पा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि आपदा के समय में एलपीजी और कमर्शियल गैस सिलेंडरों की कीमतों में भारी बढ़ोतरी कर सरकार ने जनता की जेब पर बोझ डाल दिया है। साथ ही गैस बुकिंग के लिए जारी टोल-फ्री नंबर भी काम नहीं कर रहे हैं, जिससे लोगों को और परेशानी उठानी पड़ रही है। शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष आरिफ खान ने कहा कि जब से भाजपा और नरेंद्र मोदी की सरकार बनी है, तब से जनता को हर काम के लिए लाइन में खड़ा होना पड़ रहा है। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि यदि सरकार के दावे सही हैं तो गैस एजेंसियों पर इतनी भीड़ और लंबी लाइनें क्यों लग रही हैं। इस मौके पर प्रदेश सचिव सत्यवीर सिंह, देवराज पांडेय, शेर बहादुर सिंह, राकेश सिंह डब्बू, लाल प्रकाश पाल, विनय तिवारी, सभासद शाहनवाज मंजूर, इरशाद खान राजू, शशांक शेखर तिवारी, अनिल दूबे आजाद, राजकुमार गुप्ता, अजय सोनकर, मोहम्मद सद्दाम, रईस अहमद, मोहम्मद ताहिर, रोहित सोनकर, रिजवान अब्बास, अरविंद यादव, जय प्रकाश मिश्रा, प्रवेश निषाद, शैलेंद्र यादव, विनय मिश्रा, सुरेश चंद दुबे, जब्बार सलमानी, दयाशंकर पटेल, अजीत सिंह सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

विधि के छात्र की सोते समय हत्या, तीन दिन पहले मिली थी धमकी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। चंदवक थाना क्षेत्र के गोबरा गांव में रविवार की रात एक विधि के छात्र की संदिग्ध परिस्थितियों में हत्या से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। परिजनों का आरोप है कि गांव के ही कुछ लोगों ने घर से बुलाकर छात्र की बेरहमी से पिटाई कर दी, जिससे उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार गोबरा गांव निवासी रामचरण मिश्रा का 25 वर्षीय पुत्र सच्चिदानंद मिश्र प्रयागराज के एक निजी कॉलेज से विधि की पढ़ाई कर रहा था और इन दिनों जौनपुर दीवानी कचहरी में एक अधिवक्ता के साथ इंटर्नशिप भी कर रहा था।

परिजनों के मुताबिक रविवार की रात करीब सवा दस बजे गांव के ही दो लोग, जिनसे पहले से विवाद चल रहा था, सच्चिदानंद को घर से बुलाकर ले गए। कुछ देर बाद सूचना

सच्चिदानंद मिश्र (फाइल फोटो)

मिली कि घर से करीब 600 मीटर दूर एक पंप हाउस के पास वह गंभीर रूप से घायल अवस्था में पड़ा हुआ है। ग्रामीणों ने जब मौके पर पहुंचकर देखा तो उसके सिर और आंख के पास गंभीर चोटें थीं और वह चारपाई पर पड़ा हुआ था। घटना की सूचना तुरंत पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने गंभीर हालत में उसे चारपाई सहित एंबुलेंस से जिला अस्पताल भिजवाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों का आरोप है कि मुकदमे में पैरवी को लेकर गांव के कुछ लोगों से विवाद चल रहा था और तीन दिन पहले उन्हें धमकी भी मिली थी। इस संबंध में पुलिस को तहरीर दी गई थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। थानाध्यक्ष सत्य प्रकाश सिंह ने बताया कि घायल को जिला अस्पताल भेजा गया था, जहां उसकी मौत हो गई। मामले की जांच की जा रही है और तहरीर के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अवैध तमंचा व कारतूस के साथ अंतरजनपदीय शातिर लुटेरा गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह के निर्देशन में अपराध की रोकथाम और अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत खुटहन पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने एक अंतरजनपदीय शातिर लुटेरे को अवैध तमंचा, कारतूस और बोलेरो कार के साथ गिरफ्तार किया है।

थानाध्यक्ष खुटहन रामाश्रय राय के नेतृत्व में उपनिरीक्षक अशोक कुमार अपनी टीम के साथ संदिग्ध व्यक्ति व वाहनों की चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान भटपुरा मोड़ के पास एक संदिग्ध कार को रोककर जांच की गई। जांच के दौरान कार सवार प्रमोद यादव उर्फ पप्पू पुत्र स्वर्गीय हवलदार यादव निवासी बहिरापार, थाना पवई, जनपद आजमगढ़ (उम्र करीब 38 वर्ष) को गिरफ्तार

कर लिया गया।

पुलिस ने अभियुक्त के कब्जे से एक अवैध तमंचा .315 बोर, एक जिंदा कारतूस .315 बोर, 2200 रुपये नकद और एक बोलेनो कार बरामद की।

इस संबंध में थाना खुटहन पर मुकदमा संख्या 59/2026 धारा 3/25 आयुध अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर आवश्यक विधिक कार्रवाई करते हुए आरोपी को न्यायालय भेज दिया गया।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ विभिन्न थानों में कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। उसके खिलाफ चोरी, लूट, डकैती और हत्या के प्रयास जैसे गंभीर आरोपों से जुड़े आधा दर्जन से अधिक मुकदमे पहले से दर्ज हैं।

गिरफ्तारी करने वाली टीम में थानाध्यक्ष रामाश्रय राय, उपनिरीक्षक जयकृष्ण यादव, हेड कांस्टेबल सुनील कुमार और कांस्टेबल इंद्रजीत शामिल रहे।

ओवरटेक को लेकर विवाद, मनबढ़ों ने कार सवार दो भाइयों को पीटकर किया लहूलुहान

जफराबाद, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जलालपुर थाना क्षेत्र के सैदपुर गांव स्थित पुलिया के पास रविवार देर रात ओवरटेक को लेकर हुए विवाद में बाइक सवार मनबढ़ युवकों ने कार सवार दो भाइयों पर हमला कर उन्हें घायल कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच में जुट गई। बताया जाता है कि जफराबाद क्षेत्र के सखोई गांव निवासी जंगबहादुर यादव और उनके भाई कुंवर बहादुर यादव परिवार के कुछ सदस्यों के साथ कार से केराकत के बेलाव बाजार गए थे। वहां आवश्यक सामान न मिलने पर वे उसे लेने के लिए कल्याणपुर बाजार की ओर जा रहे थे। इसी दौरान बेलाव पुल के पास एक बाइक पर सवार युवकों से ओवरटेक को लेकर कहासुनी हो गई।

आरोप है कि कुछ दूरी आगे सैदपुर गांव की पुलिया के पास बाइक सवार युवकों ने कार को ओवरटेक कर रुकवा लिया। कार रुकते ही तीनों युवकों ने लोहे के पंच से जंगबहादुर यादव पर हमला कर दिया। भाई को बचाने के लिए कार से बाहर निकले कुंवर बहादुर यादव को भी हमलावरों ने पीटकर घायल कर दिया।

घटना के दौरान कार में मौजूद महिला शोर मचाने लगी। इसी बीच हुसेपुर गांव निवासी शैलेश यादव अपने एक साथी के साथ बाइक से वहां पहुंच गए और किसी तरह दोनों भाइयों को हमलावरों से बचाया। इसके बाद तीनों आरोपी मौके से फरार हो गए। घायल दोनों भाई कल्याणपुर बाजार पहुंचकर एक चिकित्सक के यहां उपचार कराने लगे। इसी दौरान गश्त कर रही थानाध्यक्ष ऋतु जैन अपने सहयोगी श्रीप्रकाश शुक्ल के साथ मौके पर पहुंच गईं और घटनास्थल का निरीक्षण किया। बाद में मामले की सूचना जलालपुर थानाप्रभारी गजानंद चौबे को दी गई, जिन्होंने एसआई रामअवतार को पुलिस बल के साथ मौके पर भेजकर आगे की कार्रवाई शुरू की।

गोमती नदी पर 59 लाख की लागत से बनेगा पीपा पुल, विधायक ने किया भूमिपूजन

जौनपुर-सुल्तानपुर के बीच आवागमन होगा सुगम, 10 से 15 किमी की दूरी होगी कम

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बदलापुर विधायक रमेश चंद्र मिश्र ने सोमवार को विधानसभा क्षेत्र के ग्राम गजेंद्रपुर में गोमती नदी पर पीपा पुल के निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। करीब 59 लाख रुपये की लागत से बनने वाला यह पुल क्षेत्रवासियों की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरी करेगा। पूजा अर्चना एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पुल निर्माण कार्य का शुभारंभ हुआ। बदलापुर विधायक रमेश चंद्र मिश्र ने विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम गजेंद्रपुर में गोमती नदी पर बनने वाले पीपा पुल के निर्माण कार्य का विधिवत भूमिपूजन कर शुभारंभ किया। यह पुल जनपद जौनपुर और सुल्तानपुर को जोड़ने का कार्य करेगा। लगभग 59 लाख रुपये की लागत से इस पीपा पुल का निर्माण कराया जा रहा है।

पुल के निर्माण से क्षेत्र के लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। वर्तमान में पुल के अभाव में ग्राम गजेंद्रपुर सहित आसपास के लगभग एक दर्जन से अधिक गांवों के ग्रामीणों को नदी पार करने के लिए नाव का सहारा लेना पड़ता था। इससे लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। पीपा पुल के बन जाने से क्षेत्रीय लोगों की 10 से 15 किलोमीटर तक की दूरी कम हो जाएगी और आवागमन अधिक सुगम हो जाएगा। साथ ही दर्जनों गांवों के हजारों लोगों को इसका सीधा लाभ मिलेगा।

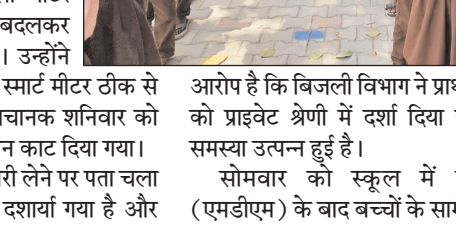

विधायक ने कहा कि यह पीपा पुल क्षेत्रवासियों की बहुप्रतीक्षित मांग थी, जिसे पूरा करने का प्रयास किया गया है। उन्होंने कहा कि पुल के निर्माण से जौनपुर और सुल्तानपुर के बीच संपर्क और मजबूत होगा तथा ग्रामीणों को आवागमन में काफी सुविधा मिलेगी। विधायक ने कहा कि क्षेत्र के विकास और जनता की समस्याओं के समाधान के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

तेज रफ्तार कार की टक्कर से साइकिल सवार दो सगी बहनें घायल, हायर सेंटर रेफर

लालगंज, आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। देवगांव कोतवाली क्षेत्र के भीरा चौराहा पर रविवार को हुए सड़क हादसे में साइकिल सवार दो सगी बहनें गंभीर रूप से घायल हो गईं। दोनों को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार सोफीपुर गांव निवासी संध्या (16) और खुशी (13) रविवार दोपहर करीब 12 बजे साइकिल से लालगंज बाजार दवा लेने जा रही थीं। इसी दौरान आजमगढ़-वाराणसी नेशनल हाईवे पर स्थित भीरा चौराहा पार करते समय आजमगढ़ की ओर से वाराणसी जा रही एक तेज रफ्तार कार ने उनकी साइकिल में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों बहनें सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गईं। हादसे के बाद मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों ने तुरंत दोनों को उपचार के लिए सौ सैय्या संयुक्त चिकित्सालय लालगंज पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया। घटना के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और कार चालक को हिरासत में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है।

प्लॉट दिलाने के नाम पर पैसे लिए, अब लौटाने में टालमटोल, पीड़ित ने लगाए गंभीर आरोप

पैसे मांगने पर धमकी देने का आरोप

डॉ.इम्तियाज अहमद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में प्लॉट दिलाने के नाम पर एक कंपनी पर पैसे लेने के बाद रकम वापस न करने का आरोप सामने आया है। पीड़ित ने कंपनी पर आरोप लगाया है कि लाखों रुपये लेने के बाद अब कंपनी उसे लगातार टालमटोल कर रही है। मिली जानकारी के अनुसार राजाजीपुरम, लखनऊ निवासी बलजीत कौर ने बताया कि उन्होंने गुरुग्राम लाइफ स्टाइल नामक कंपनी के प्रोजेक्ट ओल्ड गुरुग्राम पॉकेट-1 में प्लॉट खरीदने के लिए कुल 1,50,000 रुपये एडवांस के रूप में जमा किए थे। कंपनी द्वारा उन्हें प्लॉट नंबर इ-3 (1000 वर्ग फीट) का एग्रीमेंट भी दिया गया था। पीड़ित के अनुसार, बाद में प्रोजेक्ट को लेकर संदेह होने पर उन्होंने कंपनी से अपना पैसा वापस मांगा। आरोप है कि पैसा लौटाने के नाम पर कंपनी के जिम्मेदार लोग उन्हें काफी समय से इधर-उधर घुमा रहे हैं। काफी दबाव बनाने के बाद कंपनी ने अब तक दो बार में 25-25 हजार रुपये, यानी कुल 50,000 रुपये ही वापस किए हैं, जबकि अभी भी 1,00,000 रुपये बकाया हैं। पीड़ित का यह भी आरोप है कि जब उन्होंने कंपनी के स्टाफ से फोन पर बात कर अपने पैसे की मांग की, तो स्टाफ द्वारा उन्हें धमकाते हुए कहा गया कि ज्यादा परेशान करने पर वे अपनी महिला स्टाफ से छेड़छाड़ की झूठी शिकायत करवा देंगे। फिलहाल पीड़ित ने अभी तक इस मामले में पुलिस में शिकायत नहीं दी है, लेकिन उनका कहना है कि यदि जल्द ही बाकी रकम वापस नहीं की गई तो वे प्रशासन और पुलिस से शिकायत करने के लिए मजबूर होंगे।

पुलिस की मिलीभगत से चकमार्ग पर अवैध निर्माण का आरोप

रियाजुल हक

खुटहन, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कृष्णापुर गांव में चकमार्ग पर अवैध निर्माण कर अतिक्रमण किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़ित पक्ष ने पुलिस की मिलीभगत से निर्माण कराए जाने का आरोप लगाया है। गांव निवासी रामसरन निषाद का आरोप है कि गांव के ही रामकरन निषाद और अरुण निषाद चकमार्ग की भूमि पर अवैध निर्माण कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि राजस्व विभाग द्वारा चकमार्ग की निशानदेही के लिए लगाए गए पत्थरों को भी उखाड़कर फेंक दिया गया है, जिसके बाद निर्माण कार्य तेज कर दिया गया। पीड़ित का कहना है कि जब भी डायल 112 पुलिस मौके पर पहुंचती है तो निर्माण कार्य कुछ समय के लिए रोक दिया जाता है, लेकिन पुलिस के जाते ही फिर से निर्माण शुरू कर दिया जाता है। इस मामले में थानाध्यक्ष रामाश्रय राय ने सभी आरोपों को निराधार बताया।

कार्य में गुणवत्ता के साथ लापरवाही बर्दाश्त नहीं: विधायक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बदलापुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक रमेश चंद्र मिश्र ने प्रयागराजझगोरखपुर मार्ग पर स्थित श्री कृष्णानगर रेलवे क्रॉसिंग भलुवाही के संपार 23-सी पर निमार्णाधीन 2 लेन रेल उपरिगामी सेतु (ओवरब्रिज) का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सेतु निगम व रेलवे विभाग के अधिकारियों के साथ निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लेते हुए कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। बदलापुर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत प्रयागराजझगोरखपुर मार्ग पर स्थित श्री कृष्णानगर रेलवे क्रॉसिंग भलुवाही के संपार 23-सी पर बन रहे 2 लेन रेल उपरिगामी सेतु (ओवरब्रिज) के निर्माण कार्य का शुक्रवार को विधायक रमेश चंद्र मिश्र ने स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विधायक ने सेतु निगम और रेलवे विभाग के अधिकारियों से निर्माण कार्य की प्रगति की जानकारी ली और संबंधित अधिकारियों व ठेकेदार को कार्य की गति तेज करने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह ओवरब्रिज क्षेत्र के लोगों की लंबे समय से चली आ रही मांग है और इसके निर्माण से आवागमन सुगम होने के साथ ही जाम की समस्या से भी राहत मिलेगी। विधायक ने अधिकारियों से कहा कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता के साथ किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और निर्धारित समय सीमा के भीतर कार्य पूरा कराया जाए। इस दौरान एसडीएम योगिता सिंह, सेतु निगम के एक्सईएन जेपी गुप्ता, एसओ शेष कुमार शुक्ला, रेलवे विभाग से ताबिश आलम, उन्नत सिंह, नीरज सिंह, आदित्य सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

13 साल से कोमा में युवक का लाइफ सपोर्ट हटाने की सुप्रीम कोर्ट से अनुमति

- सुनवाई के दौरान अदालत का माहौल बेहद भावुक
- फैसले के बाद मामला देशभर में बना चर्चा का विषय

डॉ.इम्तियाज अहमद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद निवासी हरीश राणा के मामले में एक बेहद भावुक फैसला सामने आया है। वर्ष 2013 में बिल्डिंग से गिरने के बाद कोमा में चले गए हरीश राणा के लाइफ सपोर्ट सिस्टम को हटाने की अनुमति सुप्रीम कोर्ट ने दे दी है।

बताया जा रहा है कि हरीश राणा पिछले 13 वर्षों से कोमा में थे और उनका लगातार इलाज चल रहा था। लंबे समय तक उपचार के बावजूद उनकी हालत में कोई सुधार नहीं हुआ। ऐसे में उनके माता-पिता ने कोर्ट में याचिका दाखिल कर लाइफ सपोर्ट हटाने की अनुमति मांगी थी।

करीब तीन साल तक चली कानूनी प्रक्रिया के बाद सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में फैसला सुनाते हुए लाइफ सपोर्ट सिस्टम हटाने की अनुमति दे दी। सुनवाई के दौरान अदालत का माहौल बेहद भावुक हो

गया। बताया जाता है कि इस मामले की सुनवाई करते समय न्यायाधीशों की आंखें भी नम हो गईं।

परिजनों के लिए यह फैसला बेहद कठिन और भावनात्मक रहा, क्योंकि वे पिछले 13 वर्षों से बेटे के ठीक होने की उम्मीद में लगातार उसका इलाज करा रहे थे। इस फैसले के बाद यह मामला देशभर में चर्चा का विषय बना हुआ है।

मुकदमे से परेशान युवक की मौत का आरोप

आक्रोशित ग्रामीणों ने लोहिंदा चौराहे पर लगाया जाम

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। महराजगंज क्षेत्र के मजीठी गांव में एक युवक की मौत को लेकर रविवार को ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। परिजनों ने पुलिस प्रताड़ना का आरोप लगाते हुए प्रयागराज मार्ग स्थित लोहिंदा चौराहे पर शव रखकर जाम लगा दिया। सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन मौके पर पहुंच गया और लोगों को समझाने का प्रयास करता रहा।

मृतक की पत्नी वंदना सिंह ने आरोप लगाया कि उनके पति संतोष सिंह के खिलाफ गांव की एक महिला द्वारा कुछ दिन पहले छेड़खानी और मारपीट का मुकदमा दर्ज कराया गया था। उनका कहना है कि यह मुकदमा फर्जी तरीके से दर्ज कराया गया था।

वंदना सिंह के अनुसार गांव के बृजेश जायसवाल से एक व्यक्ति का विवाद चल रहा था, जिसमें उनके पति ने बृजेश जायसवाल के खिलाफ गवाही दी थी। इसी से नाराज होकर बृजेश जायसवाल ने अपनी पत्नी सुमन जायसवाल के माध्यम से उनके पति के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया।

परिजनों का आरोप है कि मुकदमे के बाद पुलिसकर्मी लगातार उनके पति को फोन कर और घर पहुंचकर 50 हजार रुपये की मांग करते थे तथा पैसे न देने पर जेल भेजने की धमकी देते थे। इसी मानसिक तनाव के कारण संतोष सिंह की तबीयत खराब हो गई। परिजन उन्हें इलाज के लिए प्रयागराज स्थित स्वरूप रानी अस्पताल ले गए, जहां रविवार को उनकी मौत हो गई।

युवक की मौत की खबर मिलते ही परिजन और ग्रामीण आक्रोशित हो गए। उन्होंने शव को प्रयागराज मार्ग स्थित लोहिंदा चौराहे पर रखकर जाम लगा दिया और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करने लगे। खबर लिखे जाने तक चौराहे पर जाम की स्थिति बनी हुई थी। इस संबंध में थानाध्यक्ष तरुण श्रीवास्तव ने बताया कि मृतक के खिलाफ मुकदमा दर्ज था। पुलिस द्वारा प्रताड़ित करने के आरोप निराधार हैं। पूरे मामले की जांच की जाएगी।

यूपी पुलिस भर्ती परीक्षा के प्रश्न पर विवाद, सरकार ने दिए जांच के आदेश

किसी भी समाज या वर्ग की गरिमा को ठेस पहुँचाने वाला प्रश्न स्वीकार्य नहीं: विधायक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश पुलिस सब-इंस्पेक्टर (एसआई) भर्ती परीक्षा में पूछे गए एक प्रश्न को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। प्रश्न में दिए गए विकल्पों को लेकर समाज के एक वर्ग ने कड़ी आपत्ति जताई है। बदलापुर से भाजपा विधायक रमेश चंद्र मिश्र ने इस मामले को गंभीर बताते हुए कहा कि सरकार ने पूरे प्रकरण का संज्ञान लेते हुए तत्काल जांच के निर्देश दिए हैं। बदलापुर भाजपा विधायक रमेश चंद्र मिश्र ने उत्तर प्रदेश पुलिस एसआई भर्ती परीक्षा में पूछे गए एक प्रश्न पर कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि परीक्षा में दिए गए विकल्पों से समाज के एक वर्ग की भावनाएं आहत हुई हैं, जो बिल्कुल भी स्वीकार्य नहीं है। विधायक ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार इस मामले को बेहद गंभीरता से ले रही है। पूरे प्रकरण की जांच के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि किसी भी प्रश्न या शब्दावली से किसी समाज, जाति या समुदाय की गरिमा को ठेस पहुँचती है, तो उसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि किसी भी जाति, समुदाय या परंपरा के प्रति अपमानजनक शब्दों को किसी भी परीक्षा या सार्वजनिक मंच पर स्थान नहीं मिलना चाहिए। सरकार का स्पष्ट मत है कि सभी समाजों के सम्मान और संवेदनशीलता का पूरा ध्यान रखा जाए। कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार समानता, सम्मान और सामाजिक सद्भाव के सिद्धांतों पर काम करती है। प्रदेश के हर नागरिक की गरिमा और सम्मान सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस मामले में जो भी जिम्मेदार पाए जाएंगे, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी ताकि भविष्य में इस प्रकार की संवेदनशील गलतियों की पुनरावृत्ति न हो। साथ ही उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि भविष्य में प्रश्नपत्र तैयार करते समय सामाजिक संवेदनशीलता और निष्पक्षता का विशेष ध्यान रखा जाए।

बिजली विभाग ने काटा प्राथमिक विद्यालय का कनेक्शन, पेयजल के लिए नौनिहाल बेहाल

जफराबाद, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय कस्बे में स्थित एक प्राथमिक विद्यालय का बिजली कनेक्शन बकाया बिल के चलते काट दिए जाने से विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चों को पेयजल की गंभीर समस्या का सामना करना पड़ रहा है। बिजली आपूर्ति बाधित होने से स्कूल में पानी की व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित हो गई है।

विद्यालय की प्रधानाध्यापिका श्रीमती छाया सिंह ने बताया कि पहले विद्यालय में सामान्य बिजली मीटर लगा हुआ था, जिसे बाद में बदलकर स्मार्ट मीटर लगा दिया गया। उन्होंने बताया कि पिछले महीने तक स्मार्ट मीटर ठीक से काम कर रहा था, लेकिन अचानक शनिवार को विद्यालय का बिजली कनेक्शन काट दिया गया।

बिजली विभाग से जानकारी लेने पर पता चला कि विद्यालय में प्रीपेड मीटर दशार्या गया है और करीब 19 हजार रुपये का बकाया होने के कारण कनेक्शन काट दिया गया। प्रधानाध्यापिका का

आरोप है कि बिजली विभाग ने प्राथमिक विद्यालय को प्राइवेट श्रेणी में दर्शा दिया है, जिससे यह समस्या उत्पन्न हुई है।

सोमवार को स्कूल में मिड-डे मील (एमडीएम) के बाद बच्चों के सामने पीने के पानी की बड़ी समस्या खड़ी हो गई। स्थिति को देखते हुए शिक्षकों ने अपने निजी खर्च से आरओ पानी की बोतल मंगवाकर बच्चों को पानी उपलब्ध कराया। विद्यालय परिसर में एक हैंडपंप भी लगा है, लेकिन वह खराब स्थिति में है और उसका पानी गंदा आता है। इसकी शिकायत पहले ही नगर पंचायत में की जा चुकी है, लेकिन अब तक उसे ठीक नहीं कराया गया।

पानी की समस्या से परेशान बच्चों ने सोमवार को हाथ में थाली लेकर प्रदर्शन भी किया और जल्द समस्या के समाधान की मांग की।

स्थानीय लोगों ने प्रशासन और बिजली विभाग से विद्यालय की बिजली आपूर्ति बहाल करने तथा हैंडपंप की मरम्मत कराने की मांग की है, ताकि बच्चों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

कांशीराम जयंती पर पीडीए आंदोलन को मजबूत करने का लिया संकल्प

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शहर के कटघरा स्थित पीडीए भवन में रविवार को बहुजन नायक और सामाजिक न्याय के प्रणेता मान्यवर कांशीराम की जयंती श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। इस अवसर पर सामाजिक कार्यकताओं, युवाओं और आम नागरिकों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर उनके विचारों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव, मान्यवर कांशीराम विचार मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं जौनपुर सदर के पूर्व विधायक मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि कांशीराम ने बहुजन समाज को राजनीतिक चेतना देने का ऐतिहासिक कार्य किया। उन्होंने शोषित, वंचित और पिछड़े वर्गों को संगठित कर सामाजिक न्याय की मजबूत नींव रखी। उन्होंने कहा कि उन्हें कांशीराम के साथ लंबे समय तक काम करने और उनसे सीखने का अवसर मिला। कांशीराम केवल एक नेता नहीं बल्कि एक विचारधारा और सामाजिक परिवर्तन के महान मार्गदर्शक थे। उनसे संघर्ष, संगठन और समाज के लिए समर्पण की प्रेरणा मिलती है।

अपने राजनीतिक जीवन का उल्लेख करते हुए अरशद खान ने बताया कि वर्ष 1988 में उन्होंने बहुजन समाज पार्टी से शाहगंज नगर पालिका चेयरमैन पद का चुनाव लड़ा था। वर्ष 1991 में कांशीराम ने उन्हें जौनपुर सदर से लोकसभा चुनाव लड़ाया, जिसमें उन्हें करीब 69 हजार वोट मिले। इसके बाद 1993 में समाजवादी पार्टी और बसपा के गठबंधन के दौरान बसपा के टिकट पर उन्होंने जौनपुर सदर से चुनाव जीतकर इतिहास बनाया।

उन्होंने कहा कि आज समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के नेतृत्व में चल रहा पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) आंदोलन कांशीराम के सामाजिक न्याय और बहुजन सशक्तिकरण के सपनों को आगे बढ़ाने का मजबूत माध्यम है। यह आंदोलन देश के वंचित और शोषित वर्गों को एकजुट कर उनके अधिकारों की लड़ाई को नई दिशा दे रहा है। कार्यक्रम के अंत में कांशीराम के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई और उनके बताए रास्ते पर चलने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम का संचालन समाजवादी मजदूर सभा उत्तर प्रदेश के प्रदेश सचिव संदीप मौर्य ने किया।

विरार दिव्यांग रिहैबिलिटेशन सेंटर में भर्ती और रेनोवेशन की मांग

पालघर। पालघर जिले के विरार स्थित दिव्यांग रिहैबिलिटेशन सेंटर में खाली पदों पर भर्ती और जर्जर इमारत के रेनोवेशन की मांग को लेकर भाजपा विधायक राजन नाइक ने दिव्यांग वेलफेयर विभाग के सचिव तुकाराम मुंडे से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने सेंटर के सुचारू संचालन के लिए आवश्यक कदम उठाने की मांग की।

विधायक राजन नाइक ने बताया कि विरार का दिव्यांग रिहैबिलिटेशन सेंटर कई वर्षों से राज्य में दिव्यांगों के लिए जागरूकता और सहायक उपकरण तैयार करने का महत्वपूर्ण काम कर रहा है। पहले यहां 15 कर्मचारी कार्यरत थे, लेकिन वर्तमान में केवल 4 कर्मचारी ही काम कर रहे हैं, जिससे सेंटर का कामकाज प्रभावित हो रहा है।

इसके अलावा सेंटर की इमारत भी काफी पुरानी और जर्जर हो चुकी है, जो खतरनाक स्थिति में है। विधायक ने इस इमारत की मरम्मत और रेनोवेशन के लिए जल्द फंड मंजूर करने की मांग की है, साथ ही आवश्यक स्टाफ की भर्ती करने पर भी जोर दिया है।

विरार में श्री ट्रस्ट द्वारा संचालित स्वामी परिज्ञानाश्रम एजुकेशनल एंड वोकेशनल सेंटर में मानसिक रूप से कमजोर और मूक-बधिर बच्चों को शिक्षा दी जाती है। इस स्कूल की नॉन-सैलरी ग्रांट वर्ष 2014 से 2025 तक लंबित है, जबकि पांच मंजूर शिक्षकों का वेतन भी पिछले दो वर्षों से बकाया है। स्कूल में लगभग 100 छात्र प्रवेश के लिए प्रतीक्षा कर रहे हैं। ऐसे में विधायक राजन नाइक ने मांग की कि स्कूल के सुचारू संचालन के लिए बकाया वेतन और नॉन-सैलरी ग्रांट जल्द जारी करने के निर्देश दिए जाएं। दिव्यांग वेलफेयर विभाग के सचिव तुकाराम मुंडे ने इन मांगों पर सकारात्मक रुख दिखाते हुए एक महीने के भीतर आवश्यक कार्रवाई करने का आश्वासन दिया।

समिति का होली स्नेह मिलन उत्साह पूर्वक हुआ

चिराना। प्रगतिशील कुमावत समिति का होली स्नेह मिलन कार्यक्रम लोहार्गल स्थित गणेश मंदिर में रविवार को स्नेह और उत्साही माहौल में हुआ। समिति के अध्यक्ष प्रकाश प्रजापति ने गुलाल लगाकर कार्यक्रम का आगाज किया।आयोजित मीटिंग में समिति के संरक्षक डॉ राजेंद्र कुमावत द्वारा सम्पादित वार्षिक मेला विशेषांक व आय व्यव विवरणिका का लेखा जोखा कार्यवाही रजिस्टर में इंद्राज किया गया। कार्यवाही के बाद एक प्रस्ताव लिया गया जिसमें समिति के रजिस्ट्रेशन का नवीनीकरण करवाना अनिवार्य समझा गया और इसकी जिम्मेदारी संबंधित वकील को दी जाने की बात अध्यक्ष ने कही।इस दौरान यह भी आवाज उठी कि अध्यक्ष मेले पर हुए कार्यों की समीक्षा करें और भावी विकास के कार्यों के बारे में जानकारी देवे।

इस दौरान पूर्व अध्यक्ष रामनिवास कुमावत,फूलचंद लुहानीवाल,बिरजू राम कुमावत,लोकतंत्र सेनानी सोनाराम कुमावत,बनवारी लाल कुमावत,कोषाध्यक्ष राजेंद्र घोड़ेला, शिव प्रसाद,शेखर चंद मरेठिया, रामूतार पारमुवाल,संतोष कुमावत, सीताराम सेवली,प्रेम चंद सरस्वा, लाल चंद पिपराली,भरत व नंदलाल कुमावत उपस्थित रहे।अंत में सचिव अमोलक पारमुवाल ने इस मौके पर पधारे समाज बंधुओं का आभार व्यक्त किया।सभी ने मंदिर प्रांगण में पंगत प्रसादी ग्रहण की।

खाड़ी देशों की जंग से झुलसा कारपेट इंडस्ट्री

सुरेश गांधी

वाराणसी/भदोही/मिजार्पुर। पश्चिम एशिया में ईरान-इजरायल और अमेरिका के बीच बढ़ते युद्ध ने वैश्विक व्यापार की रफ्तार को अचानक धीमा कर दिया है। इसका सबसे बड़ा असर उत्तर प्रदेश की विश्व प्रसिद्ध कालीन नगरी भदोही-मिजार्पुर पर दिखाई दे रहा है। निर्यात आधारित यह उद्योग इस समय अनिश्चितता के दौर से गुजर रहा है। समुद्री और हवाई मार्ग प्रभावित होने से कालीन का निर्यात लगभग ठप हो गया है और सैकड़ों करोड़ रुपये का माल बंदरगाहों से लेकर निर्यातकों के गोदामों तक फंसा पड़ा है। उद्योग से जुड़े कारोबारियों के मुताबिक फिलहाल 500 करोड़ रुपये से अधिक के ऑर्डर प्रभावित हो चुके हैं। यदि हालात जल्द सामान्य नहीं हुए तो 6 से 7 हजार करोड़ रुपये तक के नुकसान की आशंका जताई जा रही है। युद्ध के कारण खाड़ी क्षेत्र के कई समुद्री मार्ग असुरक्षित हो गए हैं। इसके चलते जहाजों की आवाजाही प्रभावित हुई है और भारतीय कालीनों की सप्लाई चेन पर सीधा असर पड़ा है। महाराष्ट्र के नवाशेवा (जेएनपीटी) पोर्ट पर करीब 50 करोड़ रुपये का कालीन डंप पड़ा हुआ है, जबकि निर्यातक कंपनियों के गोदामों में लगभग 300 करोड़ रुपये से अधिक का तैयार माल फंसा हुआ है। कई कंटेनर ऐसे हैं जो बीच रास्ते में ही अटक गए हैं। निर्यातकों का कहना है कि कंटेनरों के रुकने से पोर्ट चार्ज और लॉजिस्टिक लागत भी लगातार बढ़ रही है, जिससे व्यापारियों की परेशानी और बढ़ गई है। भदोही-मिजार्पुर का कालीन उद्योग पूरी तरह निर्यात पर निर्भर है। अमेरिका, यूरोप और खाड़ी देशों में यहां से बड़ी मात्रा में हस्तनिर्मित कालीन भेजे जाते हैं। लेकिन युद्ध के कारण अंतरराष्ट्रीय व्यापार की रफ्तार थम गई है। कई विदेशी खरीदारों ने नए ऑर्डर रोक दिए हैं, जबकि पहले से भेजे गए माल पर भी छूट की मांग की जा रही है। कालीन निर्यातक उमेश गुप्ता, योगेन्द्र राय काका, रुपेश बरनवाल का कहना है कि मौजूदा हालात में बाजार पूरी तरह अनिश्चितता में है। खरीदार भी आगे की स्थिति को लेकर स्पष्ट निर्णय नहीं ले पा रहे हैं। युद्ध का असर अब 10 से 14 अप्रैल तक नई दिल्ली में प्रस्तावित अंतरराष्ट्रीय कारपेट फेयर पर भी पड़ने लगा है। यह मेला भारतीय कालीन उद्योग के लिए वैश्विक व्यापार का सबसे बड़ा मंच माना जाता है। लेकिन वर्तमान हालात में कई विदेशी बायर यात्रा को लेकर हिचक रहे हैं। जहाजों का किराया बढ़ गया है और अंतरराष्ट्रीय मार्गों पर जोखिम बढ़ने के कारण कई खरीदार जोखिम लेने को तैयार नहीं हैं। निर्यातकों के अनुसार कई विदेशी खरीदारों ने मेले में आने से मना कर दिया है। यदि हालात ऐसे ही बने रहे और फेयर रद्द करना पड़ा तो उद्योग को करीब 500 करोड़ रुपये का सीधा आर्थिक झटका लग सकता है। प्रमुख कारोबारी ओपी गुप्ता, धरमप्रकाश गुप्ता, संजय मेहरोत्रा व रियाजुल हसनैन अंसारी के अनुसार उद्योग पहले से ही अमेरिकी टैरिफ और वैश्विक आर्थिक मंदी की मार झेल रहा था। टैरिफ बढ़ने के बाद भारतीय कालीनों के निर्यात में लगभग 30 प्रतिशत तक गिरावट आई थी। अब ईरान-इजरायल युद्ध ने स्थिति और जटिल बना दी है, क्योंकि कालीन का अधिकांश निर्यात समुद्री मार्ग से होता है और वही मार्ग प्रभावित हो गए हैं। पश्चिम एशिया में युद्ध के कारण पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में तेज उछाल आया है। कालीन उद्योग में रंगाई-धुलाई, धागा निर्माण और परिवहन में पेट्रोलियम उत्पादों का व्यापक उपयोग होता है। ऐसे में पेट्रो पदार्थों की कीमतों में 50 से 60 प्रतिशत तक बढ़ोतरी ने उत्पादन लागत को काफी बढ़ा दिया है।भदोही-मिजार्पुर का कालीन उद्योग केवल व्यापार नहीं बल्कि लाखों परिवारों की आजीविका का आधार है। गांव-गांव में बुनकर, रंगाई-धुलाई मजदूर, डिजाइनर और पैकिंग कर्मचारी इस उद्योग से जुड़े हैं। व्यापारियों के अनुसार यदि यही स्थिति बनी रही तो करीब 20 लाख लोग प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित हो सकते हैं। कई जगह पावरलूम बंद होने की कगार पर हैं और बुनकरों के पास काम की कमी हो गई है।

भदोही और मिजार्पुर के गांवों में इन दिनों करघों की आवाज पहले जैसी नहीं सुनाई दे रही है। कई बुनकरों के पास काम कम हो गया है। निर्यात रुकने से तैयार कालीन गोदामों में पड़े हैं और नए ऑर्डर भी नहीं मिल रहे।

नालासोपारा के चंद्रशेखर पाण्डेय के जन्मदिन पर लोगों ने दी बधाई

नालासोपारा (उत्तरशक्ति)। नालासोपारा पूर्व भी 202 नंदनवन हाउसिंग लिमिटेड आचोले क्रास रोड नालासोपारा पूर्व निवासी चंद्रशेखर पाण्डेय का जन्मदिन 15 मार्च 2026 दिन रविवार को तनिष्का टेलीकॉम प्राइवेट लिमिटेड के संचालक पंडित चंद्रशेखर पाण्डेय के जन्मदिन 15 मार्च को यादगार बनाने के उद्देश्य से जाने माने दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के सहयोगी जगदीश माताशरण तिवारी द्वारा चंद्रशेखर पाण्डेय का जन्मदिन उनके कार्यालय पर मनाया तथा जन्मदिन पर हार्दिक शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर समाज के प्रमुख लोगों की उपस्थित में केक काटा गया, इसके बाद कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने करतल ध्वनि के साथ चंद्रशेखर पाण्डेय को जन्मदिन की मंगल बधाई देते हुए उनका मुँह मीठा कराया। उनके द्वारा किए गए सांस्कृतिक, सामाजिक और धार्मिक कार्यों की भूरि-भूरि सराहना करते हुए पुष्प हारों से ढंक दिया। पिता अरुण कुमार पांडेय माता श्रीमती सरोजा पाण्डेय , भाई राजशेखर पाण्डेय, बहन खुशबू शुक्ला, बहन रुपल योगेश तिवारी, बड़ा जिजा विकेश शुक्ला , सोनम पांडे, पत्नी मोनू पांडे , काका बागेश पांडे, काकी शीला पांडे सहित कई लोगों ने जन्मदिन पर हार्दिक बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं दी । दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के परिवार को तरफ से संपादक ओमप्रकाश प्रजापति, उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा, वरिष्ठ पत्रकार लालशेखर सिंह , पत्रकार आनंद कुमार मिश्रा, अभिषेक तिवारी, आचार्य पंडित दिनानाथ शुक्ल ने चंद्रशेखर' के जन्मदिन पर अपने भाव प्रगट करते हुए कहा कि पंडित चंद्रशेखर पाण्डेय आप को जन्मदिन की बहुत बहुत शुभकामनाएं,आप ब्राह्मण समाज के आधारस्तम्भ ही नही समाज के गौरव हैं, कर्णधार हैं उनकी एकता के मुख्य सूत्रधार है,समाज के लिए आपका योगदान अकथनीय है,आप एक बेहद ही उत्कृष्ट व्यक्तित्व, मृदुभाषी और बेहद ही विनम्र स्वभाव के व्यक्ति है,सरलता ही आपकी पहचान है, आपने समाज के लिए खुद को पूर्ण समर्पण कर दिया है आप नालासोपारा पूर्व के सभी समस्याओं को पूर्ण रूप से बिना किसी भेद भाव हल करते हैं। समाज के सबसे लोकप्रिय व्यक्तियों में आप अग्रणी पंक्ति में आते है, सब के दुःख सुख में बराबर के सहभागी बनते है, बिना किसी स्वार्थ और भेदभाव के समाज की सेवा की है और करते भी रहेंगे, समाज सेवा के साथ साथ आप देश सेवा में भी अपना योगदान दे रहे है,आप हम सभी लोगो के प्रेरणाश्रोत है,प्रभु से प्रार्थना है की आप जीवन में ऐसे ही तरक्की करते रहे और नित्य नई ऊंचाइयों को छूते रहे,स्वस्थ रहे,सुखी रहे, पुनः जन्मदिन की बहुत बहुत बधाई ।

महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी का कार्यक्रम संपन्न

डॉ दयानंद तिवारी

मुंबई (उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी के सौजन्य से 15 मार्च 2026 को संकल्प साहित्य कला मंच द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में लोकगीतों में महिला जीवन और उत्सवधर्मिता विषय पर एक संगीतमय संगोष्ठी का आयोजन मुद्रा बैंक्विट, अंधेरी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में किया गया।

कार्यक्रम का प्रारंभ संकल्प साहित्य कला मंच की संयोजिका डॉ ममता झा, प्रा. विनीता राजापुर, प्रा. मनिषा सिंह तथा प्रा.सुनीता चौहान के द्वारा सभी अतिथियों, प्रतिभागियों एवं उपस्थित साहित्य प्रेमियों का स्वागत तथा दीप प्रज्जवलन के साथ हुआ। इस अवसर पर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने हेतु अध्यक्ष के रूप में डॉ. रीता कुमार , मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. श्रीमती शैलेश श्रीवास्तव , विशिष्ट अतिथि के रूप में श्रीमती ममता सिंह ,सम्माननीय अतिथि के रूप में डॉ. मंजुला देसाई, डॉ. दयानन्द तिवारी तथा सुप्रसिद्ध लोकगीत गायिका श्रीमती संध्या मिश्रा उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले कनिष्ठ महाविद्यालयों से जुड़े साहित्यप्रेमी शिक्षकों को,शिक्षण के अलावा भिन्न क्षेत्र में विशेष योगदान देने के लिए ,समाज सेवा के क्षेत्र में श्रीमती सुनीता अम्बोरे (एस.आई.ई.एस. कॉलेज, नेरुल), संगीत कला के क्षेत्र में श्रीमती मंजू सिंह (तोलानी कॉलेज) एवं श्रीमती ममता राजपूत (बी.के. बिरला पब्लिक स्कूल, कल्याण), खेल के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए श्रीमती बबीता बलवंत सिंह (साईं नाथ जूनियर कॉलेज, वाशी), लेखन के क्षेत्र में डॉ. दिनेश कुमार (सिद्धार्थ कॉलेज, फोर्ट), तथा पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए नामदार राही को शाल, श्रीफल एवं ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में लोकगीतों की मधुर श्रृंखला को सुव्यवस्थित रूप से आगे बढ़ाने का संचालन सुप्रसिद्ध लोकगीत गायिका श्रीमती संध्या मिश्रा ने किया। कनिष्ठ महाविद्यालय के शिक्षकों ने विभिन्न लोकगीतों को स्वरबद्ध कर प्रस्तुत किया और अपने गायन से कार्यक्रम को अत्यंत भावपूर्ण और उत्सवमय बना दिया।

कार्यक्रम के अंत में संकल्प साहित्य कला मंच की चारों संयोजिकाओं के द्वारा सभी अतिथियों, प्रतिभागियों , सम्मानमूर्ति एवं उपस्थित साहित्यप्रेमियों के प्रति हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

आदित्य सम्राट और खुशी कक्कर का नया भोजपुरी गाना रिलीज

पटना (उत्तरशक्ति)। भोजपुरी म्यूजिक इंडस्ट्री में एक और नया धमाकेदार गाना रिलीज हो गया है। अभिनेता व गायक आदित्य सम्राट और लोकप्रिय गायिका खुशी कक्कर की आवाज में सजा यह नया भोजपुरी गाना दर्शकों के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। गाने में अभिनेता आदित्य सम्राट के साथ अभिनेत्री दिव्या यादव की शानदार केमिस्ट्री देखने को मिल रही है, जो दर्शकों को खासा आकर्षित कर रही है। इस गाने को नेहा म्यूजिक वर्ल्ड के बैनर तले रिलीज किया गया है, जबकि इसके निमार्ता रत्नेश कुमार हैं। रिलीज होते ही यह गाना सोशल मीडिया और यूट्यूब पर दर्शकों का भरपूर प्यार बटोर रहा है। गाने में आधुनिक संगीत और भोजपुरी लोक शैली का सुंदर समन्वय देखने को मिलता है, जो इसे और भी खास बनाता है। गाने का फिल्मांकन और प्रस्तुति भी काफी आकर्षक है, जिससे दर्शकों को भरपूर मनोरंजन मिल रहा है। नाचाइब जबरी गाने को लिखा है साजन सवारियां ने जबकि संगीत दिया है संगीतकार श्याम सुंदर ने। वहीं इस गाने के विडीओ डाइरेक्टर हैं धर्मेन्द्र यादव। निमार्ता रत्नेश कुमार ने बताया कि पूरी टीम ने इस गाने को बेहतर बनाने के लिए काफी मेहनत की है और उन्हें विश्वास है कि यह गाना भोजपुरी संगीत प्रेमियों को जरूर पसंद आएगा। वहीं अभिनेता व गायक आदित्य सम्राट, दिव्या यादव और खुशी कक्कर ने दर्शकों से गाने को सुनने और अपना प्यार देने की अपील की है। मौके पर 200 से अधिक सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर की मौजूदगी रही जिन्होंने रील्स बनाकर गाने को प्रमोट किया।

बिंद समाज विकास संघ की सूरत जिला शाखा की बैठक संपन्न

सूरत, गुजरात (उत्तरशक्ति)। रविवार को बिंद समाज विकास संघ, सूरत महानगर द्वारा तारवाड़ी, वारीगांव में जिला, प्रदेश एवं शाखा स्तर के कार्यकताओं की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रदेश महिला अध्यक्ष बिंदु बिंद एवं फूलचंद बिंद ने संयुक्त रूप से की।

बैठक में संगठन के विस्तार और मजबूती को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। वक्ताओं ने प्रदेश इकाई को सशक्त बनाने, जिला एवं शाखा स्तर पर नए गठन करने तथा अधिक से अधिक सदस्यों को संगठन से जोड़ने पर जोर दिया। साथ ही पूरे सूरत महानगर में बिंद समाज विकास संघ का विस्तार कर समाज में शिक्षा, स्वास्थ्य, आपसी प्रेम और सौहार्द को बढ़ावा देने का संकल्प लिया गया। कार्यकताओं ने स्वजातीय बंधुओं को एकजुट और संगठित कर उनके हक-अधिकार एवं सामाजिक न्याय के लिए संघर्ष करने की आवश्यकता पर बल दिया। बैठक में महिलाओं को एक मंच पर लाकर समाज में ह्रूरोटी-बेटी के संबंधह्व को मजबूत करने और समाज के समग्र विकास के लिए एक मजबूत टीम के गठन का निर्णय भी लिया गया।

बैठक में मुख्य रूप से दीनानाथ बिंद, गुलाबचंद बिंद, संजय कुमार बिंद, लालमनी बिंद, सुरेश कुमार बिंद, लवकुश बिंद, अजय कुमार बिंद, नंदलाल बिंद, अंकित कुमार बिंद, आर्मी अनिल कुमार बिंद, राजकुमार बिंद, रमेश कुमार बिंद, चंद्रशेखर बिंद, दीपक बिंद, हीरामणि बिंद, उर्मिला बिंद, फूलदेवी बिंद, संजू देवी बिंद सहित लगभग दो दर्जन महिला एवं पुरुष कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अगर चाहें तो मैं इसे अखबार शैली (प्रिंट मीडिया फॉर्मेट) या सोशल मीडिया पोस्ट फॉर्मेट में भी और बेहतर बनाकर तैयार कर सकता हूँ।

जौनपुर में चला सघन चेकिंग अभियान, 1516 वाहनों का चालान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद में कानून व्यवस्था को मजबूत करने और यातायात नियमों के पालन को सुनिश्चित करने के लिए सोमवार को व्यापक चेकिंग अभियान चलाया गया। यह अभियान कुंवर अनुपम सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जौनपुर के निर्देशन में चलाया गया, जिसमें यातायात पुलिस और सभी थानों की पुलिस टीमों ने भाग लिया। अभियान के तहत जिले के प्रमुख चौराहों, सार्वजनिक स्थलों और संवेदनशील मार्गों पर पुलिस द्वारा सघन जांच की गई। इस दौरान संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की तलाशी ली गई, वहीं यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई। चेकिंग के दौरान बिना हेलमेट वाहन चलाने, सीट बेल्ट न लगाने, तीन सवारी बैठाने तथा बिना वैध दस्तावेजों के वाहन चलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए कुल 1516 वाहनों का चालान किया गया। पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि वे यातायात नियमों का पालन करें और जिले में सुरक्षा व शांति व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करें।

सखी वेलफेयर फाउंडेशन ने ब्यूटीपार्लर प्रशिक्षण कार्यशाला का किया शुभारम्भ

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सखी वेलफेयर फाउंडेशन ने मरदानपुर स्थित अपने कार्यालय पर आर्थिक रूप से कमजोर युवतियों व महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए निःशुल्क ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारम्भ किया, जिसमें प्रशिक्षु युवतियां ब्यूटी पार्लर का कौशल और ज्ञान प्राप्त करके लाभान्वित होंगी। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि वंदना सरकार, संस्थाध्यक्ष प्रीति गुप्ता, प्रशिक्षिका पूजा जायसवाल एवं समस्त सखी वेलफेयर टीम के सदस्यों एवं प्रशिक्षुओं ने एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाकर किया। सखी वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा किये जा रहे सामाजिक कार्यों से प्रभावित होकर डॉ रेनू मौर्य, संतोष गुप्ता एवं मीना गुप्ता ने संस्था की सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर मुख्य अतिथि वंदना सरकार ने कहा कि मातृशक्ति को स्वावलंबी बनाने हेतु सखी वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा निःशुल्क ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण कार्यशाला के आयोजन से आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की बच्चियों को अपनी आत्मनिर्भरता एवं आत्मसम्मान प्राप्त करने में बहुत सहायता मिलेगी। इस अवसर पर संस्थाध्यक्ष प्रीति गुप्ता ने कहा कि आज सखी वेलफेयर फाउंडेशन की सखियां विभिन्न क्षेत्रों में बेहतर ढंग से कार्य करके समाज में अपना नाम रोशन कर रही हैं। इसी क्रम में जौनपुर जनपद की स्वच्छता मिशन की ब्रांड एंबेसडर बनी सखी स्वर्णिमा जायसवाल तथा अंतर्राष्ट्रीय हिंदू महिला परिषद की जिलाध्यक्ष बनने पर सखी अर्चना सिंह को संस्था द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सभी सखियों एवं प्रशिक्षु युवतियों ने जमकर एक दूसरे के साथ होली खेली तथा विभिन्न प्रकार के मनोरंजन समूह गेम्स में भाग लेकर तथा होली के गीतों पर नृत्य व विविध कार्यक्रम प्रस्तुत कर आनंद उठाया। कार्यक्रम का संचालन कार्यकारी अध्यक्ष तूलिका श्रीवास्तव ने किया तथा उपस्थित सभी के प्रति आभार महासचिव अर्चना सिंह ने व्यक्त किया। इस अवसर पर सरला महेश्वरी, शीला राय, पिंकी जायसवाल, सुजाता जायसवाल, दिव्या साहू, शशि मिश्रा, सरिता निगम, आरती सिंह, संचिता बैंकर, दीपा साहू, शकुंतला मौर्य, मीनू बरनवाल, चंदा बरनवाल, सभासद पोषकी साहू, अंजु जायसवाल, रूपम शुक्ला, श्रद्धा उपाध्याय, रेनू गुप्ता, वंदना साहू, रजनी साहू, साधना साहू आदि सहित तमाम युवतियां एवं महिलाएं उपस्थित रही।

नगरसेविका अपर्णा पाटिल महाराजस्व अभियान में शामिल

वसई रोड। वसई पश्चिम के नवघर स्थित विश्वकर्मा हॉल में महाराष्ट्र सरकार के महाराजस्व अभियान 2026 के तहत आयोजित छत्रपति शिवाजी महाराज रेवेन्यू समाधान कैंप का आयोजन किया गया। इस कैंप का उद्देश्य नागरिकों की रेवेन्यू विभाग से संबंधित समस्याओं का समाधान करना और उन्हें सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी देना था।

इस कार्यक्रम में वॉर्ड नंबर 23 की नगरसेविका श्रीमती अपर्णा पाटिल ने सक्रिय रूप से भाग लिया। उनके साथ वसई विरार महानगरपालिका के कॉर्पोरेटर वॉर्ड नंबर 23 की श्रीमती निम्मी दोशी और प्रदीप पवार भी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में भाजपा वसई-विरार जिला महासचिव बिजेंद्र कुमार, कामगार अघाड़ी वसई रोड मंडल के अध्यक्ष हरीश बेदी, तथा मयंक सेठ, शांतेश मारब, निपुण दोशी, आलम सहित कई प्रमुख लोग मौजूद रहे।

कैंप में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने हिस्सा लिया और रेवेन्यू विभाग से जुड़ी अपनी समस्याओं का समाधान करवाया। साथ ही, उन्हें राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं और सुविधाओं के बारे में जानकारी भी दी गई। इस तरह के समाधान कैंप प्रशासन और नागरिकों के बीच संवाद को मजबूत बनाने के साथ-साथ लोगों की समस्याओं के त्वरित समाधान में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

विरार पश्चिम में कोकण सरस प्रदर्शनी में स्नेहा दुबे पंडित हुई शामिल

विरार। विरार पश्चिम के महाडा ग्राउंड (स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स), जकात नाका, वसई, ज़िला पालघर में महाराष्ट्र सरकार के रूरल डेवलपमेंट और पंचायत राज विभाग द्वारा डिविजनल और डिस्ट्रिक्ट लेवल कोकण सरस सेल्फ-हेल्प ग्रुप प्रोडक्ट्स एग्जीबिशन एंड सेल 2025-26 का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम डिविजनल कमिश्नर ऑफिस (डेवलपमेंट ब्रांच) कोंकण डिविजन, डिस्ट्रिक्ट रूरल डेवलपमेंट एजेंसी पालघर, महाराष्ट्र स्टेट रूरल लाइवलीहुड अपलिफ्टमेंट मिशन, ज़िला परिषद पालघर और दीनदयाल आजीविका योजना (अर्बन) वसई-विरार सिटी म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया।

प्रदर्शनी में विभिन्न सेल्फ-हेल्प ग्रुप की महिलाओं द्वारा तैयार किए गए घरेलू, पारंपरिक और हैंडीक्राफ्ट उत्पादों के आकर्षक स्टॉल लगाए गए। इन स्टॉल्स के माध्यम से महिलाओं द्वारा बनाए गए उत्पादों को लोगों तक पहुँचाने और उन्हें एक बड़ा बाजार उपलब्ध कराने का प्रयास किया गया।

इस अवसर पर वसई की विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने कार्यक्रम में उपस्थिति दर्ज कराई और महिला स्व-सहायता समूहों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस तरह की पहल महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के साथ-साथ स्थानीय उत्पादों को भी बढ़ावा देती है।

कार्यक्रम में नालासोपारा विधानसभा के विधायक राजन नाइक, वसई-विरार सिटी म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के आयुक्त मनोज कुमार सूर्यवंशी, पालघर ज़िला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानाडे, कॉर्पोरेटर निम्मी निपुण दोशी, कल्पना नागपुरे, सान्वी यांडे, जयप्रकाश वजे, निपुण दोशी, मयंक शेठ, मयूर नाइक, अक्षय कदम सहित कई जनप्रतिनिधि, अधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि कोकण सरस जैसी पहल ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों की महिला सेल्फ-हेल्प ग्रुप्स को आर्थिक मजबूती प्रदान करने के साथ-साथ स्थानीय उत्पादों को पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

हनुमान गढ़ी की 'कमर्शियल' जमीन के लिए 121 करोड़ की खैरात क्यों?

मुंबई / अमरावती। अमरावती जिले में ऐतिहासिक और पौराणिक महत्व के सैकड़ों देवस्थान निधि की प्रतीक्षा में हैं, जबकि उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने नव्याने बनाए जा रहे हनुमान गढ़ी के लिए सरकार से 121 करोड़ रुपये मंजूर कराए हैं। जहां प्लॉटिंग शुरू है और जो जगह पूरी तरह व्यावसायिक है, वहां सरकारी पैसों की उधळपट्टी क्यों की जा रही है? ऐसा सवाल कांग्रेस नेता और पूर्व मंत्री यशोमती ठाकुर ने उठाया है। उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि इस विकास कार्य की जगह पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की कोई पार्टनरशिप तो नहीं है। अमरावती जिले में जहांगीरपुर का पौराणिक हनुमान मंदिर, कौंडण्यपुर का देवस्थान, अष्टमासिद्धी और दयार्पुर के प्राचीन मंदिर मौजूद होने के बावजूद उन्हें निधि क्यों नहीं दी जा रही है? हनुमानजी के नाम पर पैसे देना ठीक है, लेकिन जहां नए कमर्शियल प्रोजेक्ट खड़े हो रहे हैं, वहीं सरकार की दिलचस्पी क्यों है? ऐसा सवाल भी यशोमती ठाकुर ने उठाया है। यशोमती ठाकुर ने कहा, गाडगे बाबा की जन्मभूमि और निर्वाण भूमि, राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज के विकास की योजना आज भी अधूरी है। भाऊसाहेब पंजाबराव देशमुख की विरासत के लिए पैसे नहीं हैं, लेकिन हनुमान गढ़ी के लिए तुरंत निधि उपलब्ध हो जाती है। अन्य धार्मिक स्थलों के कामों के लिए वन विभाग के अड़चनें सामने रखी जाती हैं, फिर हनुमान गढ़ी के लिए वन विभाग के नियमों का उल्लंघन कैसे किया जा रहा है?

ऐसा सवाल उठाते हुए उन्होंने सरकार की दोहरी नीति की आलोचना की। उन्होंने यह भी कहा कि आम आदमी और किसानों के टैक्स के पैसे का इस्तेमाल किसी कमर्शियल जगह के फायदे के लिए करना जनता का अपमान है। एक तरफ पौराणिक श्रद्धास्थलों को पैसे देने के लिए सरकार के पास निधि नहीं है और दूसरी तरफ एक व्यावसायिक प्रोजेक्ट को 121 करोड़ रुपये दिए जाते हैं, यह देखकर आश्चर्य होता है। मोदी हैं और देवेंद्र फडणवीस हैं तो मुमकिन है ऐसा तंज यशोमती ठाकुर ने कसा है।

टाटा हिताची ईएक्स1200 वी एक्सकेवेटर की मदद से एडिफिस इंजीनियरिंग काफी ऊँचा डिमोलिशन प्रोजेक्ट पूरा करेगी

मुंबई। टाटा हिताची कंस्ट्रक्शन मशीनरी कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के अग्रणी उत्पाद ईएक्स1200 वी एक्सकेवेटर का उपयोग एडिफिस इंजीनियरिंग अपने बेहद चुनौती भरे प्रोजेक्ट में कर रही है। यह हरियाणा की एक ऊँची इमारत को गिराने का डिमोलिशन प्रोजेक्ट है। ईएक्स1200 वी एक्सकेवेटर की मदद से भारत के अंदर डिमोलिशन की स्वदेशी क्षमताएं बहुत बढ़ गई हैं। टाटा हिताची ने एडिफिस इंजीनियरिंग को ईएक्स1200 वी एक्सकेवेटर के साथ एक खास हाई-रीच डिमोलिशन अटैचमेंट की भी आपूर्ति की है। इसके साथ यह मशीन एशिया में कार्यरत सबसे ऊँची डिमोलिशन मशीनों में शुमार हो गई है। यह अटैचमेंट ऊँची इमारतों को सुरक्षित और कुशलता से गिराने के लिए डिजाइन किया गया है। इसमें एक टेलीस्कोपिक बूम कॉन्फिगरेशन है, जिसकी मदद से मशीन 51 मीटर तक की ऊँचाई पर सुरक्षा के साथ काम कर सकती है। यह लगभग 17 मंजिल की इमारतों को गिराने में सक्षम हो गई है। डिमोलिशन अटैचमेंट मशीन का वजन लगभग 3 टन है। इसकी पहुँच अधिक है और काम में लचीलापन भी अधिक है। साथ ही यह ऊँची इमारतों को गिराने के दौरान अधिक स्थिर रहती है और अधिक सटीक काम करती है। ऑपरेटर टेलीस्कोपिक बूम की मदद से धीरे-धीरे पहुँच बढ़ाते हुए काफी ऊँचाई पर भी सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए पूरे नियंत्रण के साथ बखूबी डिमोलिशन कर सकते हैं। इस तरह के प्रोजेक्ट में टाटा हिताची की मशीन का उपयोग दर्शाता है कि ईएक्स1200वी जैसे अधिक क्षमतावान एक्सकेवेटर अत्याधुनिक अटैचमेंट और इंजीनियरिंग सॉल्यूशन की मदद से बड़े-बड़े डिमोलिशन प्रोजेक्ट के लिए बखूबी अनुकूलित किए जा सकते हैं। ईएक्स1200 अपनी मजबूत बनावट और जबरदस्त स्थिरता और शक्तिशाली हाइड्रोलिक्स के साथ कठिन-से-कठिन डिमोलिशन प्रोजेक्ट के लिए एक भरोसेमंद बुनियादी मशीन साबित होगी। सिद्धार्थ चतुर्वेदी, महाप्रबंधक - मार्केटिंग, टाटा हिताची कंस्ट्रक्शन मशीनरी कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड ने मशीन के इस उपयोग के बारे में बताया: इस प्रोजेक्ट में ईएक्स 1200 वी का उपयोग चुनौती भरे कार्यों में टाटा हिताची के बड़े एक्सकेवेटरों की क्षमता और बहुआयामी उपयोगिता को उजागर करता है। इंडियन डिमोलिशन एसोसिएशन के संस्थापक सदस्य मोहन रामनाथन ने इस प्रगतिशील कदम पर अपना विचार रखते हुए कहा कि भारत के डिमोलिशन सेक्टर में हाई-रीच डिमोलिशन तकनीकों को अपनाना अधिक सुरक्षित, सटीक कार्य करने और दक्षता बढ़ाने की ओर बड़ा कदम है।

युवक संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी पर झूला

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मुंगराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के औद्योगिक क्षेत्र स्थित एक कुकर बफिंग कंपनी में काम करने वाले युवक ने संदिग्ध परिस्थितियों में सोमवार दोपहर कमरा बन्द कर गले मे फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर लिया। मौके पर पहुचीं पुलिस ने दरवाजे को कटर मशीन से काटवाकर शव को बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताते है कि जगन्नाथ पुर थाना औचक पुर थाना जाउंकिया जिला खुर्दा उड़ीसा निवासी 26 वर्षीय सूर्यकांत बेहरा उर्फ सागर पुत्र दशरथी बेहरा सतहरिया में ग्लोबर इस्ट्रीज में बफिंग कंपनी में विगत 4 वर्षों से का काम करता था और वह अपने दोस्त रंजन गुरु के साथ सतहरिया में ही रोड नंबर 2 पर राजकुमार यादव के मकान में एक कमरा किराए पर लेकर रहता था। प्रतिदिन की तरह सूर्यकांत बफिंग कंपनी में ड्यूटी करने के बाद दोपहर में कमरे पर आया खाना बनाने के लिए। इसी दौरान जाने क्या हो गया सूर्यकांत ने संदिग्ध परिस्थितियों में अंदर से दरवाजा बंद कर गले मे फांसी का फंदा लगाकर चूल्ले के सहारे मौत की नींद सो गया। सूर्यकांत ने फांसी क्यो लगाई इसका कारण स्पष्ट नही हो पाया है। घटना के संबंध थाना प्रभारी ने बताया कि फांसी लगाने से उसकी मौत हुई है। आगे की कार्यवाही की जा रही है।

बहुत याद आओगे लेकिन कभी भूल नहीं पाओगे

- लाल शेखर सिंह उत्तर शक्ति

अमरीका ने ईरान के खिलाफ जंग का ऐलान करके भारी भूल की, इसका खामियाजा उसे भुगतना पड़ेगा / पड़ना शुरू हो गया है। वियतनाम के बाद पहली दफा कोई मुल्क (ईरान) अमरीका को अरदब में लिया है। इतना ही नहीं ईरान ने अमरीका के तमाम ह्व पियादो ह्व को भी शिकंजे में कस दिया है। जिस इजराइल को आगे रख कर अब तक अमरीका शिकार खेलता रहा है, ईरान ने इस बार उसकी कमर ही तोड़ दी है आज इसराइल को अपने मुल्क की तस्वीर दिखाने में शर्म आ रही है। गूगल पर अपने देश को धूमिल दिखाना शुरू कर दिया है।

- यह तो हुई दुनिया की खबर। बच्चू ! ये खबर भारत विशेष कर गाँव में का मतलब?

- अव्वल तो यह गाँव भारत में है, और भारत दुनिया का एक बड़ा देश है, दोयम कि भारत विशेषकर गाँव बड़ा बातूनी बसावट है, इसे जितनी चिंता अपनी रहती है उससे ज्यादा दुनिया की। ईरान ने एक मिसाइल दागा तो बातूनियों ने अपने हाथ की उंगलियों पर कुल नौ मिसाइल गिन दिए।

- गुरु एक उँगली कहाँ गई ?

- ट्रम्पवा के ना देखत अहे, कैसे गोल गोल घूमत बा ? जैसे कुकरौंच्छा लगा बा ! एक देश की राजशक्ति (हुकूमत) जब ट्रंप के सामने गर्दन झुकाये खड़ी है, वहीं दूसरी तरफ जनशक्ति (जनता) ट्रैम्प की ऐसी की तैसी कर रही है। भारत की यह विदेशनीति देश के अंदरूनी खाने में खौफनाक से शुरू होकर जहरवाद तक जा पहुँचती है। बगल का मुल्क पाकिस्तान इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। उसी दिशा में खड़े हम फेल विदेशनीति हैं। ईरान हमारा मित्र राष्ट्र रहा है आज उससे संबंध टूट गया है।

नवल उपाधिया की साइकिल रुक गई उनके कान में ह्व संबंध टूट गया ह्व का केवल टूट पहुँचा। नवल को लगा उनकी का चिमटा टूट गया है कि बात हो रही है। सो दरियाफ़्त करने के लिए रुक गए

- का टूट गा काका ?

- तोरे मौसी क चूल्हा ! सुनते ही नवल ने फिस्स से हँस दिया। लेकिन कयूम मियाँ ऐसे मौके कब छोड़नेवाले। नवल और कायूम में चाचा भतीजे का रिश्ता है, इस लिहाज से नवल की माँ कयूम की भौजी लगती हैं, बारहो महीना। चुनांचे कायूम मिया ने चिखुरी के सामने वही सवाल फिर दाग दिया।

- पंडित नवल के मौसी का चूल्हा? टूट गवा, कैसे पता चला काका?

- पता चला ? चूल्हा टूटा रहा, बनारस का फ़्लाई ओवर नहीं था। जेबी फ़्लाई ओवर के टूटने की आवाज नहीं आई तो यह तो चूल्हा था।

चौहान समाज की 22 सदस्यीय कमेटी का लखनऊ में मंथन, 2027 चुनाव को लेकर राजनीतिक एकता पर जोर

लखनऊ। आगामी 2027 विधानसभा चुनाव को देखते हुए चौहान समाज की 22 सदस्यीय कमेटी ने लखनऊ में एक अहम बैठक आयोजित की। इस बैठक का उद्देश्य समाज की राजनीतिक भागीदारी बढ़ाना और सामाजिक-राजनीतिक एकता को मजबूत करना था। बैठक में समाज के विभिन्न क्षेत्रों से आए प्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं ने आने वाले चुनाव में चौहान समाज की भूमिका पर विचार साझा किए। इंजीनियर पी.एल. सिंह चौहान ने बताया कि संगठनात्मक स्तर पर लगातार प्रयास किए जा रहे हैं ताकि समाज को राजनीतिक रूप से मजबूत बनाया जा सके। उन्होंने समाज के लोगों से एकजुट होकर अपने अधिकारों और राजनीतिक भागीदारी के लिए आगे आने की अपील की। सोशलिस्ट जनवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. संजय चौहान ने कहा कि उनके ऊपर मुकदमा चल रहा है और उन्हें सजा भी हुई है, इसलिए वे खुद चुनाव नहीं लड़ सकते। उन्होंने कहा कि अब समाज के योग्य और सक्रिय लोगों को आगे लाकर चुनाव लड़ाने की रणनीति बनाई जाएगी। बैठक में यह भी बताया गया कि पूर्वांचल क्षेत्र में लगभग 45 सीटों पर चौहान समाज की प्रभावी जनसंख्या है, जहां उम्मीदवार उतारने पर विचार किया जाएगा। बैठक की अध्यक्षता राजेश चौहान ने की। इस अवसर पर डॉ. रामनाथ चौहान, महंत जयंती लाल चौहान (बलरामपुर), रामसागर चौहान (चौहान ज्वेलर्स), शोभा सिंह चौहान, संतोष चौहान, अनिल चौहान, कमलेश चौहान सहित कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरूआत सम्राट पृथ्वीराज चौहान और माँ सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलन और पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। इसके बाद होली मिलन कार्यक्रम भी मनाया गया, जिसमें सभी ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर उत्सव मनाया। बैठक में यह निष्कर्ष निकाला गया कि 2027 चुनाव से पहले विभिन्न क्षेत्रों में 'बैठक' और जनसंपर्क अभियान चलाए जाएंगे, ताकि समाज को राजनीतिक रूप से जागरूक किया जा सके। अंत में सभी सदस्यों ने कहा कि चौहान समाज की राजनीतिक एकता उसकी सबसे बड़ी ताकत है और इसी से आने वाले समय में समाज की मजबूत उपस्थिति सुनिश्चित होगी।

रंजु झा ने गोरेगांव में स्कूल की 100 से अधिक बच्चियों को केरल स्टोरी 2 दिखाया

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुंबई गोरेगांव में भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की प्रदेश नेता श्रीमती रंजु झा ने जागो हिंदू जागो हिंदू युवा वाहिनी की तरफ से आज सभी नारी शक्ति ने स्कूल और कॉलेज के बच्चों को लेकर गोरेगांव के मिराज सिनेमा में ढाई सौ की संख्या में एक जुट होकर केरल स्टोरी 2 देखा। जिसमें भाजपा महिला मोर्चा नेता श्रीमती रंजु झा ने बताया, और सरकार से अपील किया कि यह फिल्म 16 वर्ष से ऊपर वालों के लिए बनाई है परंतु मैं चाहती हूं इसे आठवीं से लेकर 12वीं और कॉलेज जाती हुई लड़कियां स्पेशली देखें, और उनका स्कूल और कॉलेज के ऑडिटोरियम में दिखाई जाए। हिंदुओं को अपने जीवन में बहुत संघर्ष करना है उसमें एक सबसे बड़ा संदेश है कि एकजुट होना ही पड़ेगा नहीं तो हम 25 साल बाद खत्म होने वाले है। इस प्रोग्राम को सफल बनाने में कांटप्पा पुजारी का पूरा सहयोग मिला।

स्प्रिंग की यात्रा के लिए भारतीय पर्यटकों की पहली पसंद बने जापान और दक्षिण कोरिया

मुंबई। अग्रणी ट्रैवल प्लेटफॉर्म क्लुक ने अपना स्प्रिंग रेडीनेस इंडेक्स जारी किया है। यह इंडेक्स इस बात की एक स्पष्ट झलक पेश करता है कि भारतीय यात्री जापान और दक्षिण कोरिया में स्प्रिंग के मौसम में यात्रा की योजना कैसे बना रहे हैं। एशिया के नौ बाजारों के 900 यात्रियों की राय पर आधारित इस इंडेक्स के अनुसार, स्प्रिंग डेस्टिनेशन के रूप में जापान 78% उत्तरदाताओं की पहली पसंद बना हुआ है, जिसके बाद 52% के साथ दक्षिण कोरिया का स्थान है। भारतीय पर्यटकों के लिए मार्च-अप्रैल की यात्रा के दौरान मुख्य आकर्षण मौसमी प्राकृतिक नजारे होते हैं। यह प्राकृतिक सौंदर्य, सांस्कृतिक क्षणों और सीमित समय के लिए मिलने वाले अनुभवों की ओर बढ़ते रुझान को दशार्ता है। इस बात की पुष्टि क्लुक के प्लेटफॉर्म पर भी होती है, जहां दिसंबर 2025 से फरवरी 2026 के बीच चेरी ब्लॉसम और सकुरा जैसे स्प्रिंग से जुड़े शब्दों के सर्च में 57% की वृद्धि देखी गई है, जो मौसमी यात्रा के प्रति लोगों के भारी उत्साह को प्रमाणित करता है। क्लुक इंडिया के हेड ऑफ मार्केटिंग, शिवम त्यागी ने कहा, ₹आजकल वास्तविक जीवन के अनुभव और नई चीजों की खोज ही यह तय कर रही है कि लोग कैसे और क्यों यात्रा करते हैं। चेरी ब्लॉसम का मौसम धीरे-धीरे जीवन में एक बार मिलने वाले उन खास अनुभवों में बदल रहा है, जिसके लिए भारतीय यात्री सक्रिय रूप से योजना बना रहे हैं। हम जो देख रहे हैं वह केवल डेस्टिनेशन की मांग नहीं है, बल्कि समयबद्ध और मौसमी अनुभवों की मांग है जो हर यात्रा को अधिक सार्थक बनाते हैं।

हनुमान गढ़ी की 'कमर्शियल' जमीन के लिए 121 करोड़ की खैरात क्यों?

मुंबई। अमरावती जिले में ऐतिहासिक और पौराणिक महत्व के सैकड़ों देवस्थान निधि की प्रतीक्षा में हैं, जबकि उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने नव्याने बनाए जा रहे हनुमान गढ़ी के लिए सरकार से 121 करोड़ रुपये मंजूर कराए हैं। जहां प्लॉटिंग शुरू है और जो जगह पूरी तरह व्यावसायिक है, वहां सरकारी पैसों की उधळपट्टी क्यों की जा रही है? ऐसा सवाल कांग्रेस नेता और पूर्व मंत्री यशोमती ठाकुर ने उठाया है। उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि इस विकास कार्य की जगह पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की कोई पार्टनरशिप तो नहीं है। अमरावती जिले में जहागीरपुर का पौराणिक हनुमान मंदिर, कौंडण्यपुर का देवस्थान, अष्टमासिद्धी और दयार्पुर के प्राचीन मंदिर मौजूद होने के बावजूद उन्हें निधि क्यों नहीं दी जा रही है? हनुमानजी के नाम पर पैसे देना ठीक है, लेकिन जहां नए कमर्शियल प्रोजेक्ट खड़े हो रहे हैं, वहीं सरकार की दिलचस्पी क्यों है? ऐसा सवाल भी यशोमती ठाकुर ने उठाया है। यशोमती ठाकुर ने कहा, गाडगे बाबा की जन्मभूमि और निर्वाण भूमि, राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज के विकास की योजना आज भी अधूरी है। भाऊसाहेब पंजाबराव देशमुख की विरासत के लिए पैसे नहीं हैं, लेकिन हनुमान गढ़ी के लिए तुरंत निधि उपलब्ध हो जाती है। अन्य धार्मिक स्थलों के कामों के लिए वन विभाग के अड़चनें सामने रखी जाती हैं, फिर हनुमान गढ़ी के लिए वन विभाग के नियमों का उल्लंघन कैसे किया जा रहा है? ऐसा सवाल उठाते हुए उन्होंने सरकार की दोहरी नीति की आलोचना की। उन्होंने यह भी कहा कि आम आदमी और किसानों के टैक्स के पैसे का इस्तेमाल किसी कमर्शियल जगह के फायदे के लिए करना जनता का अपमान है। एक तरफ पौराणिक श्रद्धास्थलों को पैसे देने के लिए सरकार के पास निधि नहीं है और दूसरी तरफ एक व्यावसायिक प्रोजेक्ट को 121 करोड़ रुपये दिए जाते हैं, यह देखकर आश्चर्य होता है। मोदी हैं और फडणवीस हैं तो मुमकिन है ऐसा तंज यशोमती ठाकुर ने कसा है।

जंगल में संदिग्ध हालात में दंपति के शव मिलने से सनसनी

-सुशील कुमार तिवारी

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। चोपन थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत कोटा के टोला झलूहवा के जंगल में संदिग्ध परिस्थितियों में दंपति के शव मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार रामसूरत खरवार (45 वर्ष) पुत्र धनराज खरवार व उनकी पत्नी कौशल्या (40 वर्ष) निवासी झलूहवा, कोटा थाना चोपन, जनपद सोनभद्र बुधवार को छिकराडाड़ में मजदूरी करने गए थे। शाम को दोनों घर के लिए निकले, लेकिन देर रात तक घर नहीं पहुंचे। इसके बाद परिजन चिंतित हो गए और ग्रामीणों के साथ उनकी तलाश शुरू कर दी। परिजनों ने तीन दिनों तक रिश्तेदारों व परिचितों के यहां भी खोजबीन की, लेकिन दोनों का कोई पता नहीं चल सका। रविवार को परिजन और ग्रामीण जंगल की ओर तलाश करने निकले। इस दौरान झलूहवा से करीब तीन किलोमीटर दूर जंगल में रामसूरत का शव पेड़ से लटका हुआ मिला, जबकि उनकी पत्नी कौशल्या का शव जमीन पर क्षत-विक्षत अवस्था में पड़ा मिला। घटना की जानकारी मिलते ही क्षेत्र में सनसनी फैल गई। ग्रामीणों ने इसकी सूचना चोपन थाना पुलिस को दी। सूचना पाकर थाना प्रभारी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और घटना के कारणों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

भारतीय खेल प्राधिकरणने डॉ. निवेदिता श्रेयंस को 'फिट इंडिया एंबेसडर' के रूप में सम्मानित किया गया

मुंबई। भारतीय खेल प्राधिकरण के क्षेत्रीय केंद्र, मुंबई ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2026 को हमजबूत महिलाएं, मजबूत राष्ट्र की प्रेरणादायक थीम के तहत बड़े उत्साह के साथ मनाया। इस कार्यक्रम ने खेल, नेतृत्व, वेलनेस और प्रेरणादायक यात्राओं के माध्यम से महिला सशक्तिकरण पर प्रकाश डाला, और युवा लड़कियों को आत्मविश्वास, अनुशासन और एक सक्रिय जीवन शैली अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। इस कार्यक्रम की शोभा डॉ. स्मिता डोलस सोमणे, IRS (1998 बैच), अतिरिक्त महानिदेशक, मूल्यांकन महानिदेशालय, मुंबई ने मुख्य अतिथि के रूप में बढ़ाई। यह कार्यक्रम पांडुरंग चाटे, क्षेत्रीय निदेशक, रअकक्षेत्रीय केंद्र मुंबई के मार्गदर्शन और सहयोग से आयोजित किया गया था; उनके साथ श्री अंकित पाटिल, सहायक निदेशक, रअक क्षेत्रीय केंद्र मुंबई भी थे, जिनके नेतृत्व ने इस समारोह को छात्रों और प्रतिभागियों के लिए प्रभावशाली और प्रेरणादायक बनाने में मदद की। समारोह में आमंत्रित विशिष्ट हस्तियों में डॉ. निवेदिता श्रेयंस भी शामिल थीं—जो एक प्रख्यात शिक्षाविद, PR निदेशक और हार्टफुलनेस वेलनेस व ध्यान प्रशिक्षक हैं—जिन्होंने एक विशिष्ट अतिथि और पैनलिस्ट के रूप में इसमें भाग लिया। युवा छात्रों और नेताओं की एक जीवंत सभा को संबोधित करते हुए, डॉ. श्रेयंस ने आत्मविश्वास से भरी और सशक्त महिलाओं को गढ़ने में आत्म-विश्वास, मानसिक स्वास्थ्य, हार्टफुलनेस ध्यान और शारीरिक फिटनेस के महत्व पर शक्तिशाली अंतर्दृष्टि साझा की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जब महिलाएं आंतरिक संतुलन, माइंडफुलनेस (सचेतना) और भावनात्मक लचीलापन विकसित करती हैं, तो वे ऐसे परिवर्तनकारी नेता बन जाती हैं जो समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में सक्षम होती हैं। कार्यक्रम के दौरान हार्टफुलनेस संस्थान के मार्गदर्शन में एक विशेष हार्टफुलनेस ध्यान सत्र भी आयोजित किया गया, जिसने प्रतिभागियों के बीच मानसिक स्वास्थ्य, आंतरिक संतुलन और समग्र वेलनेस को बढ़ावा दिया। इस सत्र को दर्शकों द्वारा गर्मजोशी से सराहा गया, जिसने युवाओं के बीच भावनात्मक शक्ति और स्पष्टता विकसित करने में माइंडफुलनेस के बढ़ते महत्व को रेखांकित किया।

तुकाराम मुंढे को वसई-विरार म्युनिसिपल कमिश्नर बनाने की मांग: महेश सरवणकर

वसई-विरार। भारतीय जनता पार्टी वसई रोड मंडल के अध्यक्ष और नगरसेवक महेश सरवणकर ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से अनुरोध किया है कि तुकाराम मुंढे को वसई-विरार म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन का कमिश्नर नियुक्त किया जाए। वर्तमान कमिश्नर मनोज कुमार सूर्यवंशी मार्च के अंत में सेवानिवृत्त होने वाले हैं। महेश सरवणकर ने कहा कि वसई-विरार म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन में एडमिनिस्ट्रेटिव राज के दौरान अव्यवस्था और भ्रष्टाचार फैला हुआ था। पूर्व कमिश्नर अनिल कुमार पवार के समय गैर-जरूरी कामों और मनमानी से म्युनिसिपल प्रशासन की वित्तीय स्थिति और सार्वजनिक सेवाओं पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा। सरवणकर ने बताया कि इस दौरान गैर-कानूनी निर्माण, कब्जा, बिगड़ी हुई स्वास्थ्य सुविधाएं, रुके हुए सीवेज प्रोजेक्ट, खराब सड़कों और ट्रैफिक जाम जैसी समस्याएं उत्पन्न हुईं। उन्होंने कहा कि वसई-विरार शहर के पूरे विकास के लिए अनुशासनहीन म्युनिसिपल प्रशासन को काबू में लाने और भ्रष्टाचार पर रोक लगाने के लिए एक सख्त और कर्तव्यनिष्ठ आईएएस अधिकारी को कमिश्नर के तौर पर नियुक्त किया जाना चाहिए। महेश सरवणकर ने जोर देते हुए कहा, "अगर तुकाराम मुंढे जैसे निष्ठावान और निर्णायक अधिकारी को वसई-विरार म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन का कमिश्नर नियुक्त किया जाता है, तो शहर का समग्र और योजनाबद्ध विकास सुनिश्चित किया जा सकता है।

स्नेहा दुबे पंडित ने उठाया विधानसभा में वसई-विरार की हेल्थ सर्विसेज का मुद्दा

मुंबई। वसई की विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने महाराष्ट्र विधानसभा के बजट सत्र के दौरान प्रश्न-काल में वसई-विरार सिटी म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन क्षेत्र में स्वास्थ्य और शिक्षा सुविधाओं से जुड़ा एक महत्वपूर्ण मुद्दा उठाया। उन्होंने बताया कि वसई-विरार सिटी म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन को बने करीब 16 साल हो चुके हैं और शहर की आबादी लगभग 24 लाख है। इतनी बड़ी आबादी होने के बावजूद शहर में म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन का एक भी पूरी सुविधाओं से लैस बड़ा अस्पताल नहीं है। इंडियन पब्लिक हेल्थ स्टैंडर्ड्स के अनुसार हर 50 हजार आबादी पर एक अर्बन प्राइमरी हेल्थ सेंटर होना चाहिए। इस मानक के अनुसार वसई-विरार में लगभग 48 प्राइमरी हेल्थ सेंटर की आवश्यकता है, जबकि वर्तमान में यहां सिर्फ 21 प्राइमरी हेल्थ सेंटर ही कार्यरत हैं, जिससे नागरिकों को स्वास्थ्य सेवाओं की कमी का सामना करना पड़ रहा है। स्नेहा दुबे पंडित ने यह भी बताया कि 29 अक्टूबर 2020 के सरकारी निर्णय के अनुसार 3 प्राइमरी हेल्थ सेंटर और 12 सब-सेंटर वसई-विरार म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन को ट्रांसफर करने की मंजूरी दी गई थी, लेकिन पिछले पांच वर्षों में इस पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इसके अलावा 16 जुलाई 2025 को मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई बैठक में वसई-विरार के 3 प्राइमरी हेल्थ सेंटर, 12 सब-सेंटर और 116 जिला परिषद स्कूलों को म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन को मुफ़्त में ट्रांसफर करने के निर्देश दिए गए थे। हालांकि यह निर्णय अब तक लागू नहीं हो पाया है। इस पर विधायक ने सरकार से स्पष्ट टाइमटेबल घोषित करने और इन स्वास्थ्य केंद्रों, सब-सेंटरों और स्कूलों को तुरंत ट्रांसफर करने की मांग की। उन्होंने कहा कि यह प्रक्रिया उसी तरह पूरी की जानी चाहिए जैसे 11 जून 2025 को जारी जीआर के तहत आरे हॉस्पिटल के ट्रांसफर के मामले में की गई थी। इस पर संबंधित मंत्री प्रकाश आनंदराव अबितकर ने बताया कि यह मामला अर्बन डेवलपमेंट विभाग और रूरल डेवलपमेंट विभाग दोनों से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि 16 जुलाई 2025 को मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई बैठक के निर्देशों के अनुसार इस मामले पर कार्रवाई चल रही है। मंत्री ने सदन को भरोसा दिलाया कि दोनों विभागों के बीच समन्वय स्थापित कर एक महीने के भीतर इस फैसले को लागू कर दिया जाएगा। विधानसभा में यह मुद्दा जोरदार तरीके से उठाया गया, ताकि वसई-विरार के नागरिकों को जल्द से जल्द बेहतर स्वास्थ्य और शिक्षा सुविधाएं मिल सकें।

जफराबाद में सब्जी विक्रेता का चाकू से हमला, पिता-पुत्र घायल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जफराबाद थाना क्षेत्र के इमलो पांडे पट्टी स्थित मोहम्मदपुर मोड़ पर मामूली विवाद में एक सब्जी विक्रेता द्वारा चाकू से हमला करने का मामला सामने आया है। इस घटना में पिता-पुत्र घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है। बताया जाता है कि मोहम्मदपुर मोड़ पर बजरंगी यादव की सब्जी की दुकान है। दुकान के बगल में दिव्यांग राजू नागर (40) पुत्र कैलाश निषाद और उनके पुत्र आदर्श निषाद (18) का मकान है। सोमवार को राजू नागर घर के बाहर खाट पर लेटे हुए थे। उसी दौरान बजरंगी यादव अपनी दुकान पर पानी डाल रहे थे, जिसका छींटा राजू नागर पर पड़ गया। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी हो गई। आरोप है कि विवाद बढ़ने पर बजरंगी यादव ने दुकान में रखा चाकू निकालकर राजू नागर पर हमला कर दिया। पिता को बचाने आए उनके पुत्र आदर्श निषाद पर भी उसने हमला कर दिया, जिससे दोनों घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही जफराबाद थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को उपचार के लिए जिला चिकित्सालय भिजवाया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है और आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

एनएआर-इंडिया ने मुंबई में डेवलपर्स और रिटेल ब्रांड्स के साथ 3000 करोड़ के व्यापार की उम्मीद के साथ वार्षिक कार्यक्रम आयोजित किया

मुंबई। देश के रियल एस्टेट पेशेवरों का प्रतिनिधित्व करने वाली प्रमुख संस्था एनएआर-इंडिया इस वर्ष मुंबई में अपना वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित करने जा रही है। इस कार्यक्रम में रियल एस्टेट इकोसिस्टम से जुड़े प्रमुख हितधारक एक साथ आएंगे। इस आयोजन के माध्यम से लगभग 3000 करोड़ के व्यावसायिक लेन-देन होने की उम्मीद है, जिसमें रिलायंस, टाटा और बिड़ला समूह सहित देश के प्रमुख राष्ट्रीय रिटेल ब्रांड्स की भागीदारी रहेगी। इस सम्मेलन में देशभर से 1,800 से अधिक प्रतिभागी शामिल होंगे, जिनमें रियल्टर्स, डेवलपर्स, निवेशक, मकान मालिक, रिटेलर्स, वित्तीय संस्थान और कॉर्पोरेट ऑक्युपायर्स शामिल हैं। यह मंच आवासीय, वाणिज्यिक और रिटेल सेगमेंट्स में सार्थक नेटवर्किंग, रणनीतिक सहयोग और बड़े पैमाने पर रियल एस्टेट लेन-देन को बढ़ावा देने का उद्देश्य रखता है। इस सम्मेलन का एक प्रमुख आकर्षण विभिन्न रियल एस्टेट क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर निवेश की संभावनाओं की तलाश कर रहे प्रमुख राष्ट्रीय कॉर्पोरेट्स की भागीदारी होगी, जो संपत्ति लेन-देन और साझेदारियों को आगे बढ़ाने में संगठित ब्रोकरेज की भूमिका को और मजबूत करेगी। इस कार्यक्रम में कई विशिष्ट अतिथि और प्रसिद्ध हस्तियाँ भी उपस्थित रहेंगी, जिनमें प्रसिद्ध अभिनेता बोमन इराणी और आध्यात्मिक वक्ता जया किशोरी शामिल हैं। उनसे कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित करने और उनके साथ बातचीत करने की उम्मीद है। इस कार्यक्रम में शामिल होने वाले विशिष्ट गणमान्य व्यक्तियों में डॉ. निरंजन हिरानंदानी, प्रसिद्ध वास्तुकार हाफिज कॉन्ट्रैक्टर, शेखर पटेल तथा पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित सवीजी ढोलकिया शामिल हैं। इस पर आगे बात करते हुए चंद्रेश विठलानी, प्रेसिडेंट-इलेक्ट, एनएआर-इंडिया ने कहा कि यह सम्मेलन भारत के रियल एस्टेट ब्रोकरेज समुदाय में बढ़ती पेशेवरता को दशार्ता है और पूरे देश में पारदर्शी तथा बड़े पैमाने पर संपत्ति लेन-देन को संभव बनाने में संगठित रियल्टर्स की भूमिका को उजागर करता है। उन्होंने यह भी कहा कि उद्योग के नेताओं, कॉर्पोरेट ब्रांड्स और रियल एस्टेट पेशेवरों को एक ही मंच पर लाने से नए व्यावसायिक अवसर खुलेंगे और इस क्षेत्र के भीतर सहयोग और मजबूत होगा।

प्रजापति समाज विकास मंडल रजि. एनजीओ की जागरूकता अभियान की बैठक संपन्न

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। प्रजापति समाज विकास मंडल रजि. राष्ट्रीय सामाजिक संस्था एनजीओ की जागरूकता अभियान के अंतर्गत क्षेत्रीय बैठक सर्वोदय ग्रीन लोट्स सोसाइटी, भिवंडी में संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्र प्रताप प्रजापति की अध्यक्षता में रविवार को संपन्न हुई। बैठक में उपस्थित बंधुओं को संस्था के उद्देश्यों एवं समाज के लोगों के लिए किए गए कार्यों के बारे में विस्तृत रूप से बताया गया। अध्यक्ष ने संगठन के महत्व को समझाते हुए उनको संस्था से जुड़ने के लिए आह्वान भी किया। उपस्थित बंधुओं को संस्था की गतिविधियों की पूरी जानकारी दी गई। समाज के बंधुओं से संस्था का आजीवन सदस्य बनने के लिए भी जोर दिया गया तथा उनकी समस्याओं के निवारण हेतु भी बातचीत किया गया। उपस्थित बंधुओं का विचार था कि संस्था का संगठन मजबूत होना चाहिए, बड़ा होना चाहिए ताकि समाज के लोगों का कार्य सुचारू से हो सके। उपस्थित समाज बंधुओं ने संस्था से जुड़ने के लिए आश्वासन दिया और कई लोग जुड़े भी। बैठक में रामजनम प्रजापति (कांदिवली) को मुंबई प्रदेश बीएमसी का महासचिव नियुक्त किया गया तथा भिवंडी के जाने-माने समाजसेवी लोक नाथ प्रजापति को ठाणे जिला का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। जिसका सभी लोगों ने स्वागत करते हुए उनके आगे के कामकाज की शुभकामनाएं भी दिया। उन्होंने आश्वासन दिया कि संस्था और समाज के लिए जो कुछ भी हो सकेगा हम वह सभी करेंगे और ठाणे जिला के सभी बंधुओं को संस्था से जोड़ेंगे। आने वाले दिनों में थाने क्षेत्र में गरीब विद्यार्थियों को मुफ्त शिक्षा किट, नोटबुक आदि वितरित किया जाएगा तथा मेधावी छात्रों का सम्मान/सत्कार भी किया जाएगा। बैठक में गजेंद्र प्रजापति राष्ट्रीय मुख्य महासचिव, इंदर प्रजापति रायगड जिला महासचिव, रामजनम प्रजापति, लोक नाथ प्रजापति, डॉ.दीपचंद प्रजापति, राम जी प्रजापति, सुरेश प्रजापति, घनश्याम प्रजापति, जितेंद्र बहादुर प्रजापति, विजय शंकर प्रजापति, अमर कुमार प्रजापति आदि मान्यवर उपस्थित थे।

चोलापुर में मिठाई-पनीर की दुकान में चोरी, छत के रास्ते घुसे चोर, लाखों का माल साफ

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। चोलापुर थाना क्षेत्र के हथियरकला (उड़िया बाबा रोड) स्थित साधु स्वीट हाउस में बीती रात चोरी की बड़ी वारदात सामने आई है। चोरों ने छत के रास्ते दुकान में घुसकर लाखों रुपये के सामान और नकदी पर हाथ साफ कर दिया। जानकारी के अनुसार, चोर पहले छत पर पहुंचे और वहां लगे दरवाजे को तोड़कर अंदर दाखिल हुए। इसके बाद नीचे दुकान का दरवाजा भी तोड़ दिया और आराम से चोरी की वारदात को अंजाम दिया। दुकान मालिक के मुताबिक चोर करीब 15 किलो पनीर, लगभग 22 किलो बर्फी मिठाई और करीब 40 हजार रुपये नकद लेकर फरार हो गए। यह दुकान करीब चार साल पुरानी बताई जा रही है। सुबह जब दुकान खुली तो चोरी की जानकारी हुई, जिसके बाद तत्काल चोलापुर पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। गौरतलब है कि 12 मार्च को भी इसी क्षेत्र में दिनदहाड़े बाइक सवार तीन बदमाशों द्वारा तीन बकरे चोरी करने की घटना सामने आई थी, जो सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई थी। इसके बावजूद अब तक बदमाशों की गिरफ्तारी न होने से पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से व्यापारियों और ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। पुलिस से जल्द खुलासा करने की मांग की जा रही है।